

जाय ससुलसाय ॥ ॐ न
 माजला नय ॥ ॐ नमो
 दोयसायादाय राजयथ
 मय ॥ सामयथाथरुक्तं
 प्रकाथवादिनीयानन
 यथवद न श्राद्धन वृक्ष
 धार्य । नायपीचय गाय
 नय नमय निमृक्षायम
 श्रेयदक्ष विष्णु वरु
 नमृनिगव शानिवद न
 यक्ष नृथीवकीह ॥
 १ ॥ वक्राशुक्रानि
 दक्षायिय शयद नगा
 क्षिनिदशायिमाया त्वा
 उद्वथयलवा विवृध
 यद नगाक्षिनीव न्राय

॥ यावद्दीर्घा गतं नाव
हन्ति नृप नदी जाह्नवी य
प्रभाया यावद्दीर्घा गतं नाव
न नल नल य गता य निघा
नल नल ॥ यावद्दीर्घा यिना
कीरु निविमल जल यिना
द्वाक वानी नावर्ष्य कृपा
शास्त्र जन य निरु नावर्ष्य न
नाज नक्षी ॥ ५ ॥ अथ
वा यद्दीर्घा गतं नाव नल स
लाह नल नक्षी यिना या अथ
वा यद्दीर्घा गतं नाव नल स
कला यिना यिना यिना
यल नल नक्षी यिना यिना
यल यल नक्षी यिना यिना
यल नल नक्षी यिना यिना
यल नल नक्षी यिना यिना
यल नल नक्षी यिना यिना

वक्त्रा विष्णुः शुक्लं च लनय
मवलङ्कितः शशीसमीप
प्रायः काननद्वन्द्वद्वन्द्व
लवसूतिः संयोगाः सव
नामः हि वम्बाः सिद्धिना
नादविगुरुयः कनाः
देव्यादिदत्ता आनि
प्रायास्यमानाः स्रवव
नमिगाः बाबुदः सवद
वाः ॥ ८ ॥ ५॥ ॐ का व
दृष्टमूलिकमयदकधि
नष्टद्विस्त्रीर्षुगारविक
यपं सामयुष्ययद्व
खिलदलनयधर्षव
रुनी । यान्तायासुणी
नं जमनकययद्वनीय
भयशान्तिनयः पागमक

न्यं शुद्धं शुद्धं न लमनि
 ति ४ वायुवायु ददृद
 ४॥ ५ ॥ भजार्था
 रथा कि वि श्वं त व क ल
 रव ह लीया व नं ह ड व
 ४ श्व ४ सधायि श्या क वि
 श्वं भानि जन न मि नं रा
 श्व नं गा कि ह र्कं ज नो
 श्री श्व नं वा सा क न क
 मालिक नं श्व नं श्व नं
 मि श्व नं व द व श्व नं
 क नं दि ज नि स्वि ल न
 नं १० ॥ चिक नं र व नं
 ॥ १० ॥ य स नं म ज
 मानो न न ग न न दाल
 वं दार क नं ह मा रा श्या
 क या १० ॥ ज न न न न

उक्तोऽनुमानमुदाहरि ॥
 दत्ता (वे) ३ रवाद्यमाभा क
 टककट्टकटकृत्यमान
 ४ मन्त्रेति ३ को भाहास
 यूको गह ग ग द ग ह र्यो
 उन ३ श्री ठ सि ह ३ ॥ १० ॥
 क्वत्वा १० नाना सि ह पु क
 टिते वमूर्खन क नणा ध
 बाल्मि ३ अजाति ३ यद्वल न
 द्रव ह म द ग इति नी क
 खन न्या ॥ निवि न्नाय क
 गोप ३ अथ उ ग दि न दान
 व द्वा हे न ३ अय यि ३
 ४ अय यि यानि कु व न म
 हा सि ह नृय ३ वि ३
 ॥ १२ ॥ यी ३ न स्या ध

विशालजलधरकलगील
इमाकागवृक्षनकाय
स्यमाजीप्रहंगनरुसुम
नययद्राकयक्ति। कूदा
सकसमृजकुजा निविनि
खवासरकयागालयादा
यदछवाविवायदं
दिगवदनीयावुवादि
अलिम॥ १३ ॥ का
लववृक्षयदा॥ दिगि
यिचसदासस्यसंयु
रुगा वेदकासवेविषा
॥ सकलनृथानिजाधस
वेवीयजाय। सखाना
लनययवृक्षसुदगा
कायसासाथयका नि
यासाहययमादनिव

सुसगनसपजाय
अगन्ता॥ १४ ॥ दवी
मगुयवीलायुगमवि
वयट॥ यल्लवकुसुम
निर्गन्तावेलायुगम
॥ कसमदलसुगान्यो
यवीवीदिनले॥ दी
ये॥ कृगदगायमन
यगवृवसददिसिदु
नदुवायुथनेवयधु
ये॥ चकुलजविधि
ननमयुयुसुहं॥ १५
मूलकलगी॥ वलीम
थीसकलगीधजलनय
युयययययययय
हिनययमान्। ययय
जाहविमयमूनिदि॥

अमर्कं तं दू मृ मृ ति ४ गि
व ॥ वि ॥ अ ० नमामि
अथ दू मा ॥ ॐ अथ दू
मा वलि या स ह नू मा न
वि सी य ८ ४ । क व य न
वामे अ मा क्छि य न नम
म ॥ ॥ ग ल य नि ॥ ॐ
वि द्यु श्च वा य वी वा य वि द्यु
वृ या य न नम ॥ सर्व वि द्यु
ह व द व सर्व गान्धि नमा
म ॥ ॥ न म ॥
ॐ अमृ ग म थ ना य ला सु
न ति मा क थ वि ली ॥ १० द
पा र्श्व ट हा ल व व ग म व
ग मृ क म ॥ ॥ की मा
नी ॥ ॐ की मा नी म थ वा
वृ ल न क्ता मी व क्ता मी
नी ॥ ना कि र्था वि न्द मृ द

अथ अथ अथ नमामि ॥
॥ नमामि ॥ ॐ नमामि
अथ अथ अथ ॥ नमामि
हं नि व । सर्व वा वि व द्द
व व व अ न व क्ता व न
॥ ॥ ना ग व ॥ ॐ ना ग
वा ना ल क्ता नि न्यं ऊ ल
व द्वा म हा व ल ॥ नि म
न ॥ वा वि र्था ना ना ग
वा ऊ ल म नम ॥ ॥
अथ अथ अथ ॥ ॐ अथ
अथ अथ अथ ॥ अथ अथ
स ह स दू म ॥ सर्व वि र
व र क्ता मी नमामि अथ
अथ अथ ॥ ॥ श्री ल
॥ ॐ श्री ल अथ अथ
वी य सर्व स गान्धि दा यि

न॥ सर्वकामप्रदा देवी
नमस्तुता नमो नमः ॥
॥ इत्यादि सप्त लया
गं ॥ ॐ ह्रीं सुद वनमस्तु
ह्रीं कूल देव नमो नमः
॥ ह्रीं नद वट हा सप्त
पूजा टि ह नमो ह्रीं ॥
विश्वकम्मा ॥ ॐ विश्वक
म्मानि मस्तु ह्रीं नला इष्ट
रिका व क ॥ यथा य
ध कदा र्या ॥ विश्वक
म्मानि नमस्तु ॥
टह व व नमस्तु ॥ ॐ आ
सा य द्या स न ह्रीं विव
ल कटि ग टी य द्य क
ये मा द्या न री वा य क
ना हि ल न र व नमिना

शुद्ध वस्तु नमस्तु ॥ लया
दिष्टी नमस्तु नमि मस्तु
विना नमस्तु नमस्तु
निर्गम साय न ह्रीं वस्तु
निमस्तु ह्रीं सप्तमा नमस्तु
यका ॥ ॥ ह्रीं विल
सः ॥ ॐ ह्रीं द्या विमस्तु
ले निवा सिगं मोम्यं य र्ग व
सुकी या न विरु यथा ॥
यन्त्र वध वस्तु सप्तमा नमस्तु
ल ह्रीं ॥ ॥ नमो दी वा य म
नमस्तु काल वध वस्तु निर्गम
मस्तु ॥ ॥ नमिगं ह्रीं यान
मस्तु नमस्तु नमिगं नमस्तु
प्रीतिमानं सदा ॥
ह्रीं वस्तु वस्तु नमस्तु नमस्तु
वध वस्तु सदा यान क ॥

कः उदग नाम काम क व म
४ या या क क ४ घाण ध क
मूकामालव वी वि द्व विने न
स क काम वी कृ मि भी द
भा य व व ४ ता वि गाल व
द भानि य नि म वा सु कि
॥ काल व व १६
म द्या ४ कि नि वा वि व स द
ग ल्य र्म पु पु म लु व द क
४ स द वि वा स क ल नृ य
ग यो ध स वी य जा यो
स ल्या न याल न नी या न
प र द उ स ग न का यो नो
का थ य क नि न्या ल्या ह
व य मा द नि व स उ स ग न
स ग य जा पु नो न क
नो दे ४ की न य द यो यो
वि यो ४ ला यो य स वि

ता ४। थ क न्य ४ काल व व
स्या न यो यो यो थि वी न
थ ॥ यो यो यो यो यो यो
यु पु ह द य थाम नि न जा
म ही कौ ना यो ४ पु व न
कु (थ न मा रु वा ४ का यो
थ न मा रु लि व । यो ना ४
स कृ मि ना य य डि नृ य न
नो हि स का सा स ना ४ का
ला नि य क याल क १ स
ह ला व व १६ म द्या ४ स
दा ॥ ॥ स न ४ स उ
नि व न वी स क नि नी वि ह
स य यो द यो नो ज न ४
प नि याल य उ व स धा
ध म्म नि गो ४ स व द्यो का
ल स ग नि वा वि ला ज ल
म र्म ४ स र उ य जा पु यो

पानि दिन ४

दामाद कश्चिन्न वृद्धि वर
ह (आशी) प्रमादा सदा ॥
॥ दिव्य वर्यु मया
जलम विचनु वा सवु
वन्नादिवा यो बाजा न
४ धान्न यदु ज्ञेतिदि न
वसू धा विद्वत्ता आसिम
सं दिव्य वर्यु वराया उ
जमानि निरुवा ४ सवु
पीरमाना तदा माय
सूग जन सु नली कड
मो सु रु ॥
जि का हो मात्य वण च
नरु धे धन विदु या
ना लेख १० दी लिखन
यति न लू क य अ क न
सु । माणा हान या दिव

दा ० न य धुमाने विन
मगत्स व न दा वि व मया
आय म गत्स म ध्व ॥
अज्ञाना ज्ञान गो वा यि य
न यामा हि न हत ॥ दं
कुमरु सिद व न द मा
यु म्म ह न य मी ॥ पुन
म न्न स व ज न ग यि व दि
त क नृ गा रु म न ॥ ४
दा या ४ प्र या रु गा नि
सर्व य म्म रवी र व रु ला
की १॥ ॥ वृ गान ४
सर्व रु गाना सी कि न र्व
य ना य न । अ न्ना य न
ल रु गाना इ द्वा र्व य
प्र म्म य न १॥
क म्म लाम न सा दा या र्व

माना न्यागनि ममि। म
 नुहीनं किआहीनं स
 किहीनं अयहृगं। जय
 कामाचनं हीनं दगं नि
 यमयागव। अरुगं वा
 नुहीनं च ननु न च द
 ता सने ॥ ॥ ॥ ॥
 गवानयथाहीनया।
 कम्मं नियमगा। ननाधि
 कमिदं कम्मं कम्मगा
 दूरधुगां दूर ॥ ॥
 याथाहं यायकम्मा।
 यादि ॥ ॥ यजमा
 नययथा जला प्रयज
 नया अजल यतिक्का
 निमिचयथ अय ननु
 दूरधुगां दीय अचने

विधः पूजा विधानं तत्स
 वं याविष्टं मनु ॥
 वाविवा इत्येनं संपुष्टं
 मनु ॥ ॥ वाक्म (न
 पवित्रवर्नं ॥ ॥ ॥
 पवित्रो य ॥
 वज्रं जालिनाहं भामधुन
 निवसानमकाव ॥ मउ
 लकपुष्टी नमो विदुष
 ली ॥ ॥ ॥ ॥ वि
 र्जने ॥ ॥ ॥
 कलगा कृष्णमागमपुलादि
 आनीवदि ॥ ॥ ॥
 वायवमथारगायनम
 ४७४ वायवमयस्कवाय
 यनम ॥ ॥ ॥
 वायव ॥ ॥ ॥

१ वं वृषा स्था है न स सि ॥ ३ न मा मु स य स्था ॥ १

१

वन ॥ ३ कला विम्वरुनि
सखा विम्वरुनि कला विम्वरु
विम्वरु ॥ नो दसरा १०
निधाय ॥ आ आ यम द
सखा (नो सि ॥

पुष्पाङ्गनामा वन ॥ वन
कला न प्रणीता द क न अ
लिख क कान य ॥ ३ स
मि लि आन आ य डा य ध
य ४ स सु द्वा मि पि या स म
स सु यो सो भु दि य अ द
य म्दि य ४ ॥ ॥ वन

४ स सु द्वा यो मि ध दाम ॥
३ कला कर्म (ल स्वाहा ॥
३ कला य कर्म (ल स्वा
हा ॥ ॥ ३ कला य द (न
स्वाहा ॥ ॥ ३ कला य द (न
स्वाहा ॥ ॥ ३ कला य द (न
स्वाहा ॥ ॥ ३ कला य द (न

वृषा (नो सि न न म वा अ
यु द्वा र न रा य म्द दि
व द्वा दि (नो सि व व मि धा दि
॥ अ न्द्रा न म न न्द्रा न
म आ धु न म म म द व
म वि न आ द धा उ म धा
म द व न न न्द्रा न आ द व
उ म धा न न न्द्रा न आ द व
ध क यि य क य क यि वि द्य
म नि न म आ य न न
॥ वा य न य ४ (य
५ न (नो दे ली ॥ ॥

कलत्रादि विरज्जनि ॥
३ उ द य न म स्व स वि द्य
४ य य क उ न न ॥ ४ य
५ य य स य मि न मि अ
मि न क म ४ ॥

जानसि दाननामिभवे
सि कालिखे ॥
यजमाननिमिदुन ॥
उं नकोरु ॥ वनि ॥
उं अथावाचद ॥ मग ॥
उं नज्जसि ॥ अथवा
ओदकेनाय ॥ उं द
वयत्त ॥ नगोवदुं द
यथ ॥ उं वसा ॥ यवि
पमासि ॥ ॥ अथवा
हवय ॥ अथिभकैक
वथ ॥ ॥ दथर
नामता ॥ उनिधाय
उं अथिभकसुसुल
मसु ॥ निवणकिंकल
नादकेन ॥ उं दवसा
त्वासाविदु ॥ यथवा ॥

नावाहिया नुष्ठाहना
या ॥ उं अथवा ॥ नावेमि
अनगजसावदवव
या लिमिअमिसुसु
येनहेमजनवायावा
नायायातिमिथामितु
सुदिथनवलायविथ
जगसि विमिश्रमि ॥ ॥
उं दालागमवनिमनवा
अथवा लिमिअमि ॥ वन
थेयला ॥ अथवा ॥ वेन
भगदलिमिअमि ॥ यद
वकल्याजिमृगमयथ ॥
लाअमृगनेयेनभगद
लिमिअमि ॥ सधवावा
पठयथाना ॥ नसाय
त्तामसधवामिथेनम

नष्ट दाना ६ नमनामसि वि
श्रुति ॥ ॥ ॐ स्वायादि
समयाचवस्तानः ॥ ॐ
दधानन महवलायय
दुसे ॥ ॐ आतः गिवन
मावेससुसुहाजयन
दुनः ॥ ॐ गमीवियमागन
॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः
यायसुसुहाजयन
मायायनयभायनः ॥
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

धाम ॐ शक्तिमर्क ॥ ॥
नमः ॥ ॐ यदयक ॥
मिदुन ॥ ॐ नृणाविर ॥ मा
दनी ॥ ॐ सामिदा ॥ ॐ न
दद नमनी नद्युगमः ॥
मधुमय न्वमाने ॥ वाजी
वद न्वाजिनं जानय ॥
द्वो ना विदि विजमास
धकु ॥ ॥ यय सुय
वायु लय सुमायु नन्द
दः ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
नी ॥ सयुग ॥ ॐ दधिक
प्राणि ॥ ॐ दान ॥ ॐ दी
युवा ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
वि ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
आवायि युनिष्टा ॥ ॐ ॐ

४ रुलिना ॥ ॐ नमो नमि ॥
पुनित ॥ ॐ मना दानि ॥

दयलु सट नो क ॥ ॐ पु
पु वद निसे ला स्य दयल
गपु दय हि ॥ आत्म विम्व
कु व य य स यदा यज य
य व ॥ ॥ नग ४ म पु लन
म क म ॥ म पु ल वि स ज न
॥ यो व द व ग लो ४ स व पु
जामा दा य यो क्रि को ग
४ ४ काम प्रा सि द्यो थ ॥ य
न ग म म ना य व ॥ ॐ नि धो
नामा सि स्त्र धि के वि तान म
सु अ रु मा मा हि ४ सी ४ ।
नि व के यो म्या य य मा डा
य य रु न ना य नो य स्य ॥
या य रु य ज ॥ स्वा य सु वी
या य ॥ ॥ म पु ल

नदा सिधे क ॥ सध म पु
ल नि जे य दान ॥
तग ४ स द क ल ग सि म
य ग य ॥

नग ४ गि व ग कि क ल म
य ज मान वि य ॥ ॐ ग्रा व
स स मा य य मा वा य य
व मान म हो य म । धान्य
धन व द य य य नार
ग ग स व ल न ग न दी
य मा य ४ ॥ ॐ उ कि य म
ज सा ल ह यी स्त्री सि य ज
म य म ४ । शाम मि द्र व स
सू न ॥ ॥ व लि उ ग
व ना दि य य य न न य
० ॥ ॥ अ त्रि न म क
व ॥ ॐ ग य ज ना द न
म ड ना य य क य मो उ

ममदककलनय ॥ स
 वनननननासा निमृण
 यी (नोनदा नून) । यमी
 धुवा निधवा या दव
 (गावा द्मणा यय ॥
 थयिगिया वाकु ॥
 यानीय यनलीकव
 यावनीयनममरु
 वानीय ययदानन
 टकिट्टवनिगा यनी ॥

नागयथवथवसदि
 नमनयके ॥
 वूलनागक उडुलिश
 नसा वलिगुविनिन
 न ॥ ॥ ययविश
 नसा ययविश धजा

धामकावनन ॥
 यिगिश नसा यिगिसन
 लथवभन ॥
 धनविधि ॥

नमकावया दावविश
 वक ॥ ॥ जलक
 विसर्जनया दावविश
 नसा विहाय डलिम
 लय ॥ ॥ ययविश
 नसा धजा धामससा
 कलय ॥ ॥ यिगि
 नसा यिगिसन सल
 य ॥ ॥ वकथवभ
 न ॥ धनविधि ॥

ययविश नसा यय
 दावय ॥ ॥ य

सकनयागले रवतिर । आगनवि माडा धम
 तंपूना । अमस्तं सवपायं मुदि मां दू

हाय ॥ ॥ धर्ममुडवतू यन व कलानिमि
 ताविवि ॥ अनेने उमि ॥ ३

दनादिप्रथाविधित्वा ॥
 ॐ यदयं क ॥ सिद्धये
 ॥ ॐ स्वर्गादिष्टदा
 अणमका ॥ ॐ यज्ञा
 यवीर्य ॥ स्थानेन
 ॐ याऽहं निनी ॥ ॥
 पूजाहाय ॥ वृत्तल्लिङ्ग
 याक्षव्यान्कृतवान्नि ॥
 ॐ नमो भूभुवःस्थितायैक
 वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ अथ
 कत्रिक्रमादि विभागस्तु
 ४ सत्यं ज्ञानं नमः ॥ ॐ यो
 १० यथा वा उक्तं तानि
 अथाद्येतत्प्राप्तं तु वत् ॥
 अथाद्येतत्प्राप्तं तु वत्
 ४ सत्यं ज्ञानं नमः ॥ ॐ यो
 वामीनायनं दिवाय

वासुदेवाय नमः । न
 वामासुदेवाय नमः । न
 वामासुदेवाय नमः ॥
 ॐ नमः । नमः । नमः ।
 कल्य ॥ ॐ नमः । नमः ।
 ॐ नमः । नमः । नमः ।
 वृद्धाश्च नमः । नमः ।
 हाणाश्च नमः । नमः ।
 सीदय नमः । नमः ।
 ॐ नमः । नमः । नमः ।
 मूकका नमः । नमः ।
 कनका नमः । नमः ।
 यशस नमः । नमः ।
 भक्त नमः । नमः ।
 यदय ॥ ॥ नमः ।
 भायस नमः । नमः ।
 यशस नमः । नमः ।

नृणां मन्त्रे नीलवाज
लोकाः शनिर्वदयन्
॥ निजयविधिः ॥ २ ॥

थनजलनयानयच ॥

धर्मधूनकावइस्वादि
स्वाच्छाया ॥ धर्म

धूनकावकुमानियूज।
याज ॥ यदनादि य
थादिथिन ॥ ॥ जाय

ॐ नमः शिवाय ॥
वसिष्ठ उवाच ॥ ॥

लिहावलहावजराकु
काय ॥ ॥ पूजा ॥

असंशयसंयुक्तं ॥
सकलद्वन्द्वं ॥ ६० ॥ नि

कृमानिष्टुजाविधिः ॥

वाङ्मलहाजनी ॥

अजमानेनयाशनं ॥

आनाथ अथवा ननयश्म
सावित्र्या ॥ ॥ ॥

[illegible]

अथ नविधानं नि ४

समायुक्त ३ ॥

१३०५ यादु धूमदावव

लाङ्गिनामयायामाल

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कृत्वा कृत्वा लामं

मया वृद्धायाय ॥

आ इति या यज नाम

यथागं ॥ मालिका ॥ सु

पूज्यमकुमथु ॥ यवध
नादिपुष्पायाय ॥ दूग
वलिष्ठाया ॥ ॥ की
मात्रीयुगनचाय ॥
वलादिहामडथायस
मभय ॥ ॥ भयध
यसदुयगेल ॥ ॥
जलयारुदुगानधुनका
इ ॥ वलादिहामनय
नतायाकाइ ॥ नताम
यागसानदगवलिज
त्रिकाशधुनकावकु
य ॥ वृमात्रीयुगाया
यकुयालसुगलनया
लमभय ॥ ॥ अदि
अकशकानयालयो
य ॥ ॥ धनसेव

मानिकुव ॥ ॥ यी
दुगालिखकायमनव
॥ ॥ यीदुदुदुपूज
हायावकाय ॥ आग
गललिखादिगजादि
नवियमाल ॥ ॥
धवसुगामगविया
वष्ठाया ॥ ॥ यीदु
दुदुलिष्ठथमताम ॥
सबदगुगयावगपुवदग
मानो(थी)अननाधानेक
एवदुया(न)दुधदिन ॥
धवदुयायधुनका ॥ यी
कदुग्रीमरिधुदुलाइव
यीधुवदुदुदुग्रीमनिवसि
नलेदुगदुवदुदुदुदु
नग्रीनिवदुदुदुदुनगमि
नसोसजग्रीराकदुगममि

इति लोकात्तवायुः ॥ ६ ॥ अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया
दि ॥ ७ ॥ अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ ८ ॥
मिथ्या अनुयायय ॥ रुक्मिणीया देवसेवकं समदकं
कलीविगं ॥ अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ ९ ॥
रुक्मिणीया ॥ अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ १० ॥
अथ ॥ वायु रुक्मिणीया ॥ अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ ११ ॥
कीपूषक नि (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ १२ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ १३ ॥

अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ १४ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ १५ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ १६ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ १७ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ १८ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ १९ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ २० ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ २१ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ २२ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ २३ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ २४ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ २५ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ २६ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ २७ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ २८ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ २९ ॥
अथ (पुनः) चोला रुक्मिणीया ॥ ३० ॥

यद्यनानागद्वारा कृपयामादनिच्छ ॥ ३ ॥ कर्ममलनिज
जावेदुहृष्टजानिमाधिमस ॥ ५ ॥ मिहामयम
नागध्वमयमयमनिच्छ ॥ ५ ॥ मिहामयम
दीअकानिमायुवासा ॥ ३ ॥ अस्त्रियालनागे
वाकृठणां लेखेगसायुवलेखानां लेसकलि
महोतिउमस ॥ १ ॥ कलिकनागद्वारा कोव
मुहृणां नकृय ॥ २ ॥ अद्वयमामावसेवाअ
नामानिच्छीमानस ॥ ८ ॥ वनूनागध्वसि

इनिच्छणां वाकृकाश्चिज्जातिम(क)स ॥ स
हृणां १००० सिद्धासनसकृदसमलद्वग ॥ कति
अन्ययकार्ग ॥ ॥ विविमगलेयातकल ॥
मकलेयाधोनयिनुलाहोयककल्पमेकाय
॥ ध्वमनुवा(१)ले धूनकसयोनयाहो ॥ ध्वमेव
आसाद्धिवोनलरववधोनयारु ॥ सीअयध्व
द्विवोधाअनुहोआमलडगिंकावनकलेख
सेयो ॥ यानदमकमेयाकसयाआनद्विज्जि
मोधानयिनुहोहानउ ॥ ॥ डाननदसल्लेउय

आनयि नृदि काले उ ७ न छि ध ई का ठा व गाले क्ष
य ॥ इ स काले सा क स गाले ॥ उ नि र्दु धा ख य आ ल
नृता व न गाले का य ॥ दु य न्ना र्क माले ॥ न
मं दु माले आ नी र्दु श आ ॥ द व न र्क ज दा ग
रु ले गारु धृ शा म क ल यि द्वा को या धृ न डा धृ
वृ जो ग क्र य धृ र्दु आ ग ॥ धृ ग स र्दु र्दु आ
अ नि हा य क ॥ म क ग या अ नि हा य क ॥
अ स र्दु अ कं लि य क ॥ अ नि म क ल या धृ न भ

वा क्क हा द्वि कान स र्दु क डि य क ॥ अ य थ य र्दु न
॥ गारु या नृ या रा द्वि आ ल गि ॥ का ग र्ज न र द न र्क
॥ अ नि म क ल य धृ क न र्दु न क धृ ग न र्दु न
ग ८ ॥ अ नि म क म न को स र्ग नि र्दु धा ग र्ज न म क न य र्क
जि न ८ सं म वा द स म हा दि स न डा नृ स म य धा र य नि ॥ नि
म र्ज र्दु आ य अ नि या र य वे लो य र्क ॥ म जि न सा र्दु धा म
र य (ध) ॥ य र्दु अ द य ॥ अ नि या र्ज लो ध नि र्दु व र्दु र य
स र्ज र्दु य र्क ॥ ॥ उ र्दु अ नि म क ल य र्दु अ र्ज लो य र्क
॥ धृ म अ नि या ल द र्दु आ ॥ अ र्दु ॥

इति न साववृणाय ॥ कृपादि सव
विराधा यो यो दृष्टाय न विधिः ॥
कलगा १३ १ सनु ११ सुख सुख
युवाकन था न वलि ॥ गलाय न
सु ॥ इत्यादि विवाया गीवा नखाय

इत्यादि शाकल शाकल निवृत्त
यलीक गा सु सु सु ॥ ५ ॥ अ
प्रययु रसम मनि क थान न
वक ॥ लिखन यो धन ह्यो ॥ सा
इति ॥ लख सो सु व दान दोर
न ॥ धन आ न थ का ॥ १५ ॥

कर्मय च क ॥ विद्या न वा ज
विद्या न वा सु पु य रि का या वि
कृपा सु ल म नु लिख ॥ २ ॥

अकृलियात ॥ मुनि मि रु
ल युवा ॥ लख सु सु व ॥ ३

यवृलियात ॥ यद्वमा ग ॥
नाहावा ॥ लख सु सु व ॥ ४ ॥

मनामिलिया ॥
मालिनी नदी ॥ ५ ॥

कलेश वृत्त म न वा य माल १

वृत्तान

वैवृलियात ॥ यद्वमा ल दल
कपुल ॥ ललिया ॥ लख सु सु
व ॥ ५ ॥ ॥ लख सु सु व ॥ लख सु सु व ॥

मध्यया ग थ न ॥ लख सु सु व न व न
धातु द का ॥ लख सु सु व क ड
लि सु सु ॥ लख सु सु व ल ॥ लख सु सु व ल ॥
॥ लख सु सु व ॥ लख सु सु व ॥ लख सु सु व ॥
॥ लख सु सु व ॥ लख सु सु व ॥ लख सु सु व ॥
॥ लख सु सु व ॥ लख सु सु व ॥ लख सु सु व ॥

अटया ४ धातु दाया ॥ लख सु सु व
कथाय सु सु व न व ॥ लख सु सु व
थवा लख सु सु व ॥ लख सु सु व
जम सु सु व न सु सु व न माल

अटयादि ॥ लख सु सु व ॥
यद्वमा ल न ॥ लख सु सु व न
लख सु सु व ॥ लख सु सु व ॥
यद्वमा ल ॥ लख सु सु व ॥
यद्वमा ल ॥ लख सु सु व ॥

लिख

ॐ कं ॥ अस्माय नमः ॥ ॐ उं
गनपूजायाय ॥ ॐ उं
दयम्पूजाय नमः ॥
ॐ उं स ॥ नदिाय नमः ॥ ॐ नं
दाय नमः ॥ ॐ नं द
याय नमः ॥ ॐ नं गि व स स्वा
हा ॥ ॐ नं गि स्वाय व व ट ॥
ॐ नं क व वाय नमः ॥ ॐ
नं न गाय नमः ॥ ॐ नं अ
स्माय नमः ॥ ॐ नं दिय
नपूजायाय ॥ गत्येव
सर्व ॥ ॐ नं अ न व व
स्य विद्याय व स्य उ अ अ व
या स सी स्या ॥ य जि स्य व दि
नमः ॥ स्या ना विद्या द्या
ॐ सिय म हा स्म त ॥ ॐ
नं न य नमः ॥ ॐ उं स ॥
द स्याय नमः ॥ ॐ उं स

१३ कृष्णपाकमिलवद्वय ॥ जिल्लिहसुय
 दातव्यं ॥ १४ कादिसमन्तिर्व ॥ कृष्णकोषनसिद्धि
 ॥ १५ पादस्नाननरुतव ॥ १६

भ्यासाद्यपाठपूजा कइइलायला नृनस्योपा २ वलिदिय
 ॥ १७ गनवद्वय ॥ गिनीयो वलि ॥ १८ २०० ॥ १९ सुवयलन
 ॥ २० पादस्नाननरुतव ॥ २१ २०० ॥ २२ सुवयलन
 ॥ २३ वलि ॥ २४ २०० ॥ २५ पादस्नाननरुतव ॥ २६ २०० ॥

जोहानसखमिकवायावदकि ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

१४ यायानकृष्णयागधुक् ।
 कृष्णामालवधिविचित्रिनेल
 कृष्णमिधुक् विभादया
 यत्रमालाविमालवद
 नानिचनमावासकि ॥
 मयनन्यादि ॥

आवायनकवसिधुजाया
 य ॥ ॐ विश्वकर्म ॥ ॐ द
 मासनयनमः ॥ रुकाय
 वदनसिधुयज्ञायवीन
 वृष्यधुययय ॥ ददि ॥ नान
 विय ॥ ॐ रविमज्जन ॥
 न्यासयादाव ॥ ॐ उदय
 कमस्तुति ॥ ॐ ॥ तमश्वा
 वायकवमीयंरुमानया
 दहमिगत्वा ॥ गदुमिमधु
 मृलावायय ॥ ॐ ॥
 हसि ॥ धन ॥ मृलावा
 धन ॥ न्यासादिप्रवव ॥

आवाउनरुतवलिदया ॥
 नगाहुमिमदभावा ॥ ॐ य
 तीमनेपा ॥ मृ ॥ नाद्यनागि
 दयेनहुमिधाका ॥ ॐ ॥
 मृ ॥ य ॥ ॐ दयनय
 वरा ॥ ॐ कौट दयायन
 मृ ॥ कययनसमीकम ॥
 ॐ ॐ कवयायनम ॥ मृ ॥
 लनाउने ॥ ॐ ॥ मृ ॥ य
 रुट ॥ मृ ॥ न ॥ य ॥ य
 कनसिधुने ॥ ॐ ॥ मृ ॥ य
 यादि ॥ ॐ नाने ॥ वउका
 ॥ य ॥ मृ ॥ य ॥ य ॥ य
 कडि ॥ ॐ य ॥ य ॥ य
 य ॥ मृ ॥ य ॥ य ॥ य
 ॥ य ॥ मृ ॥ य ॥ य ॥ य

मृलावायनरुमवा ॥ नय
 कोर्णनत्वा ॥ वाद ॥ य ॥ य
 नरु ॥ ॐ ॥ य ॥ य ॥ य

१७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

॥ १०१ ॥ १०२ ॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥ १११ ॥ ११२ ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥ १२१ ॥ १२२ ॥ १२३ ॥ १२४ ॥ १२५ ॥ १२६ ॥ १२७ ॥ १२८ ॥ १२९ ॥ १३० ॥ १३१ ॥ १३२ ॥ १३३ ॥ १३४ ॥ १३५ ॥ १३६ ॥ १३७ ॥ १३८ ॥ १३९ ॥ १४० ॥ १४१ ॥ १४२ ॥ १४३ ॥ १४४ ॥ १४५ ॥ १४६ ॥ १४७ ॥ १४८ ॥ १४९ ॥ १५० ॥ १५१ ॥ १५२ ॥ १५३ ॥ १५४ ॥ १५५ ॥ १५६ ॥ १५७ ॥ १५८ ॥ १५९ ॥ १६० ॥ १६१ ॥ १६२ ॥ १६३ ॥ १६४ ॥ १६५ ॥ १६६ ॥ १६७ ॥ १६८ ॥ १६९ ॥ १७० ॥ १७१ ॥ १७२ ॥ १७३ ॥ १७४ ॥ १७५ ॥ १७६ ॥ १७७ ॥ १७८ ॥ १७९ ॥ १८० ॥ १८१ ॥ १८२ ॥ १८३ ॥ १८४ ॥ १८५ ॥ १८६ ॥ १८७ ॥ १८८ ॥ १८९ ॥ १९० ॥ १९१ ॥ १९२ ॥ १९३ ॥ १९४ ॥ १९५ ॥ १९६ ॥ १९७ ॥ १९८ ॥ १९९ ॥ २०० ॥

वैनं देवनीदिनीयुसां त्वाम
 मण्ड्याय याम्भट् । अण्वर्हीति
 यनट् स्या यावच्च दार्ढ्यगान
 र्क ॥ अयं कामविजयनश्च
 दहिवं सर्वदा नृणां । अस्मिन्
 दासदाकायां कृत्यकचल
 नत्वं या ॥ यावच्च दृष्टं सूर्य
 शुभदिनीसकसागवा ॥ या
 वदाकाशगंगाच गावत्वञ्च
 सिंघारुव ॥ अण्वर्ह्यादि ॥ १ ॥

नमो नमः ॥ रुद्रा ॥ वृत्ता
वाद्य नरुभ नमः कालं न
खा ॥ यादुकाय नमो नरु ॥
वृत्तस्थमानेन नरु मिश्वारं ॥
गन्धर्वान् विवर्णं ॥ ध्याया ॥
ज्यैष्ठिकं दिष्टं वं ॥ उं
क ४ ज्ञायानमः ॥ द्रव्यं
नष्टं यथा ॥ उं क्रौञ्च दद्या
यानमः ॥ कुवथेन समीक
बली ॥ उं क व वी यानमः

[illegible]

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

शु॥ ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ॐ
 जया मूर्धन्य नमः ॥ ॐ जय
 हृदय नमः ॥ ॐ जय
 वस नमः ॥ ॐ ह्रीं निखाय
 नमः ॥ ॐ ह्रीं कवचाय न
 मः ॥ ॐ ह्रीं प्रणय नमः ॥
 ॥ ॐ ह्रीं प्रसाय नमः ॥
 ॥ ह्रीं यादिस्य (नन प्रसा
 नं ॥ वद ॥ ॐ ह्रीं नम
 नउ प्रसाय विना नि
 यस्त्रिने ॥ विहारी दयन
 हामयी मादि देवलय नि
 रगि साहा ॥ वदनादि प्र
 जेन ॥ ॐ यदयक ॥ ॐ ह्रीं
 ऊविष्ट ॥ ॐ यक्षाय वीग
 ॥ ॐ या ॥ हलिनी ॥ जया प्र
 वव ॥ ॥ ह्रीं ववा ॥ ॐ ह्रीं
 या संवदा दयनि निष्ट

ॐ मूर्धन्य दय विना ०१

ह्रीं सुविनामया ॥ निरुद्धा या
 वहादिवि सुमि नः प्रायदा
 नवे ॥ या वद ह प्रसूया प्र
 भादिनी मय सा गवा ॥ या विदा
 काल न नाच नाव ह्रीं उह्रीं
 प्र ॥ ॥ ह्रीं ग ॥ आदि ॥ ॥ ह्रीं नि
 ह्रीं ववा ॥ ३

ह्रीं प्रयाद ह्याय नहा लर
 ॥ ॥ विक्र ॥ ॥ ह्रीं प्रया माने नर
 मिश्वार ॥ नन खाया विव व
 ॥ ॥ ध ॥ ॥ ॐ ह्रीं प्रसाय
 हृद ॥ ॥ ह्रीं प्रसाय दि प्रव व
 ॥ ॐ हृदयाय नमः ॥ ॥ ह्रीं
 वधन समीकवर्ण ॥ ॐ ह्रीं
 कवचाय नमः ॥ ॥ ह्रीं प्र
 नाह न ॥ ॐ ह्रीं प्रसाय ह
 ह ॥ ॥ ॥ ह्रीं प्रसाय न
 ॥ ॐ ह्रीं प्रसाय न
 नमः ॥ ॐ ह्रीं प्रसाय न

८ प्रदीपनं वा ८

म॥ कामसुखा ॥ ॐ कौद
यायनम॥ ॐ कोलिवश
नम॥ ॐ कुंलिखोयनम॥
॥ ॐ केकववायनम॥ ॐ
कोभगायनम॥ ॐ क०
सायनम॥ १० श्यादियउ
गूनपूजनं ॥ ॥ गहु
इकृतकाष्टा ॥ मुक्तिकयो
हरीकथा ॥ ग० १० य
प्रकनस्तिका ॥ श्रीमुखने
सत्काष्टा ॥ ॐ विक्रायनम॥
॥ ॐ विक्रामृत्तथनम॥ ॥
ॐ बाँहदयायनम॥ ॐ
कोलिवशनम॥ ॐ कुंलिख
यनम॥ ॐ केकववायन
म॥ ॐ कोभगायनम॥ ॥
ॐ न० असायनम॥ १०
श्यादियउ ॥ गूनपूजनं ॥
यद ॥ ॐ उयहता १० रु

गवडयइतामजावय४ ।
 अथाअनस्यकीलालडय
 इमापृष्ठयुव।केमायवग
 श्रीगिव९।गम९।था४९
 था४॥चन्दनादिपूजन॥ॐय
 दयक॥ॐत्वजविष्टदा॥ॐ
 यशायवीर॥ॐया४८लि
 ना॥विकायुष्टव७॥ॐविक
 विकयदावधुमिदिमकि
 यदगुत।सर्वदासर्वदोष
 शुगिष्टवमीनयुयके॥या
 वचनवधुष्टयधुमदिनीस
 कसागवा।यावदागर्गग
 यगावत्वुष्टिधाराव॥अ
 नगन्थादि॥६६मिष्टिनवाकु४
 म॥युष्टुष्टुष्टुव७॥याद
 स्मायनमालर७॥वृष्टु
 माननहुमिष्टान॥तगस्वा
 नविवर्न॥६६धन॥अष्ट

८ श्रीखससादुतुनलैपाधानलायहासुप
वाकीगुलेनोवतहानेकस्यैऊमाननऊदिने ॥८

२॥ गुरुसिद्धिर्वाप्यवाक्कायसाधन
यज्ञो ज्ञानयावकैः

प्रथमं भद्रिनीसकसाम
 वा। यावदाह। नि। व गाव
 त्वं उद्धि। राव ॥ अथ गंध
 दि॥ इति सुत्रवादाय ॥ ७॥

लाजादलपुष्यातिथिकं ॥
श्रावणि ॥ दुर्गसमर्पितं ॥
यनिसा ॥ ॥ यज्ञमान

सृष्टि लक विष्णु गोथे ॥ १० ॥
 उं अथादि ॥ ११ ॥ अथादि
 दत्त दत्त दत्त अथादि मिव
 गार्जनं । अथादि मया दत्तं
 यमीद यन्मया ॥ यज
 मानस्य दत्त दत्त दत्त
 न निमिष्यथ ॥ १२ ॥ दत्त दत्त
 दत्त दत्त ॥ १३ ॥ निमिष्यथ विधि

आचार्यकृतमादिवाङ्मय
दत्तः ॥ ॥ वाचनं शुद्धं ॥
अथकृतमादिवाङ्मय
सिद्धयस्तु शुद्धं गीतादयः

बलिष्ठा न स्थापयतादिदि
थ०॥ ८॥ ८० तिष्ठयादियाद
स्थापनविधि ४५ माय ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ जलयात्र
यायसंयत्रिधि ॥ नागविष्
निर्यं वृद्धं नागकं मुल
वृद्धं विनकवणाय वृद्धं
द्वन ॥ ॥ मुलनागकं
यावद्वृणमकवासननाय
ववृणसहस्रवृणमक
रुणावाहुद्वमृद्वृणीद
वाहाकावृद्धिवृकनागया
नादयावाहवाहीमदवृद्ध
गलसंष्ट्रयावामपनीविना
मृनकवृणाहवृणहृविना
॥ रूनिववृणमृनि ॥ ॥

मूनकनागमिद्वववधु ॥ ८
लोनामिद्वववधु ॥ ९

१ मरुत्तानिपुनिष्ठा कृत्तहाय १

कायकृत्संयुक्तः ॥ अथवा
 ॥ न क्वचिद्वाच्यं ॥
 ॥ नदि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

श्री गुरुः ॥ विदुः तिर्य्यसं धनं ॥ वद
 पाना गन्धीत्युतिदृष्टं ॥ १ ॥ वा
 दृष्टादित्युति ॥ तिमिध्रसं ॥ स
 दृष्टादित्युति ॥ १००० सिद्धासन
 सद्गुरुसमन्वितं ॥ १००० सिद्धासन
 नाथकार्यं ॥ ॥ गयदृष्टं ॥
 यादृगयादृष्टिनं नाथ ॥ ग
 वसं धयायश्वसं ॥ १००० सिद्धासन
 गमश्वसं ॥ ॥ गयदृष्टं ॥

यादस्काय नमः यागसाधनं
 थका पुंदाय कंठनिवादा
 धनन ॥ वंद्यलिमकुलान्न
 १ वंदाल वनन ॥ १ ॥
 नमः नमः ॥ कुदलमालि
 अ वृत्तल ॥ २ ॥ यथिम
 मकुलान्न मुनि निजान्न ॥

३ ॥ श्रीगणेशाय नमः कुम्भल
यथायोगे ॥ ४ ॥ मुल
कुम्भयादुवनेकुम्भल
यथायोगे ॥ ५ ॥ सङ्घ
धाम्निनाथो गिरिवक्त्रकड
लिखन्तुनरुद्धियति ॥

नानकस्य दृष्टिर्न वत्तल्लुड
 दायद ॥ वत्तल्लुडलिङ्गीना
 लं यद्यन्नागमिभोविर्क। वत्ता
 निर्यद्वत्तानि सर्वकोऽय
 म्प्राञ्जय ॥ श्रवयन् वत्त
 थान ॥ याधाय मालिक थ
 भवत्तुलिथिन् दथास
 नववत्तथन् ॥ ॥ सुव
 प्रवज्जगं यत्र विदुमामुकि
 भवय । यद्यन्नागमिभोविर्क
 गावगं वत्तमवय ॥ मन्त्रयव
 समायुक्तं नववत्तानि श्रव
 हि ॥ ॥ अनिताद्वय

उर्मिधन्ने ॥ ॥ नागकुण्डनिन
दयकमाल ॥ दयकाद्रिमद
यकाद्रि ॥ ॥ ॥ ॥

नागजोयधिदधधुविधिः ॥
वाल वृयकल ययकल शिष्य
उ उगलला वडा सिक म
उलि कल क्वीम कयून श्री
खपु ककु व धनयूनयाडाव
सकलरिर्नईधने रुनिवास
नयमानइभी ॥

धडल उगललल दइसभा
न भायुवखानडाडले शि
गुदग कायकामल धल
ककि मलित्तान धरईध
न नागयस रुनिवासमूल
कापुर्मगयध नइभी ॥ धन
ग नूयान नागया ॥

नागधुयडोयधि श्रीखपुव

वेलि भदलास जामाडटम
सुसुख भालय (शोक नागध
वनयाडा कुमिडलि। निमि
डा धनमायूनयाडाव नाग
धुयइभी ॥

दधामूलनागका। पुयार्गयट
यु। नागकुर् भायुवयगाय
गाडाक युज माल वुजिल ॥
मूलयान केयावल ॥ आय
निंयार्गयुज माल वुजि ॥ क
थाव ॥ कुडलिधो वयुजमा
लभां कयावल नागनागकु
भा नयमाल ॥

इईरिधन वयिनिधन वयु
वि। आयिजलधुनिधन वध
यादव नगीर्थ याडोन सुमि
कुपुडमडाधुइयाय यदिन
यमाल धयादव नयात

वामनशायवतावतालनि
जलयाकाटालदुयामन ॥

धजलकृपुनवश्यादमायन
हीलायावदवनयोगवास
नमदयययनयनियाद
यायनायडाले ॥ ३ ॥ थाय
तिसमनकनागय ॥ १ ॥ ॥
यकलियनिसवामदिनाग
२ ॥ थायनिसमदक
नाग ॥ ३ ॥ थायनिस
ककदकनाग ॥ ४ ॥ थाय
निसययनाग ॥ ५ ॥
यंकलियनिसमहायय
नाग ॥ ६ ॥ थायनिस
नीखयालनाग ॥ ७ ॥
वंकलियनिसकलिकना
ग ॥ ८ ॥ थायनाग
यकनिसययडानेन

दयकानागकृपुनकोयका
नन ॥ यक्षयतिमनिसमूल
नाकपुनथमयायविधि ॥

मूलकृपुयादवनकजमपुल
कंशालमथाय ककृत्रि
कृकृमकपुलगीतपुनथय
मानायथनथालावथानस
यादावलुगनाकाननागम
पुलथाय ॥

दथायवमनिसुपुनहाय
क ॥ धनविक्कालथाय ॥ दा
पुनहायक ॥ धदुमथायति
यथथाय ॥ ३ ॥ थायनिस
हीलाननवमनकादि कलि
कययुक्त ॥ धयवधनियु
पुनहायक ॥ धनविधकया
दथायदा पुनहायक ॥ थक
याथका ॥ नययवावपद

धमसुद्धं १ यत्तुवावृणो ॥
 धनविधानसं ११ द्वादशैकया
 ल ॥ धनविमानावृणो ॥ धन
 विहासं सदा लोनायक ॥ द
 धमसुद्धं १ यत्तुवावृणो ॥ धन
 विधिः ॥ धमसुद्धं १ यत्तुवावृणो
 लनयायमुल्लनागकोधुर्या
 हवनेनगयाइया ॥ ॥

मुलायायुयायवसवलिमपुल
 नानखायावर्गवलिजानगाय
 वलिसलोहावागमासनथाय
 यदामिधनं वलिमुद्धखानमा
 ल दधमसुद्धं १ यत्तुवावृणो
 यत्तु १ कुयागयाविनंखल्लान
 कययामं १ कुयागयाविनं
 जलमुमिहायकयानं १ कु
 यानयंविनं १ हृदयवृगया
 गं १ कुयागयाविनं १ हृदय
 खायागं ॥ ॥ धमसुद्धं १
 वगंभवखायलंनव १ हृदयक

यययगाय कर्तुयगाका द
 छि ऊऊमथन सिधुमान
 आसनादि ॥ ॥ वृद्धलिक
 लहुवनंमूलकलगीवउर
 लिवगकि कलगीयादयुज
 याय कसकन सिधुसुद्ध
 सयुलधविनमालुशील
 दीयद यदुपी नगद्य ॥
 वीविनंथानयानंयुवाकन
 ययनवलिगलयनियामं
 यदकयामं ॥ यथायवमा
 लकोरुवलिथाय ॥ युवाक
 मतावल यमं सथायया
 हृदययवाकयविनानदुदग
 यदनादियक्षायवीगखान
 नयधमथायविधिः ॥

धामयामंवसयविधिः ॥
 यथि आदग शायवहाम
 लवीहिवद भगानिनिधि

जल

दहलंख समदजाल ६६ दहस
दलादक वली दक दिन ॥
दक सर्वमदक साक दलि
नी यागदलिनी पुत्रिजा न
॥ ६० या अंजलि लुखा ॥
हा या लुखाल लूम लु ॥
दाम ३ आना लाहामा लो
हा या उदल लूसि लिमि
या ला कोल यंकन लूसि
न युवा ६ उकी वस नोव
याग १ की वदलु थिचाग
उ गययाग सवा वयाग १
उजिन सागा मधुयकूखा
ना के दान वादान आने
दासा शानाम सवय यिय
लिगुथि हलल अम्बने क
हलल लुल पुअ उल व
दन लुल वाथुनि ॥ गालधु
नि नुयक १ यक्षक १

समस्य खगलिल नरुगिन
लागयवा विर्यपु स्कंद ७
न तु लज्जवा वहुधमपु
टिका दामजा धनिजा सर्व
आसधी यैरु आसधी ॥
जलपगिहाहु धुव दू आवा
अभिद्य यजमान जासिया
इवकर्म या अमान उपवा
सयाय थय दग सा इसम
यायमान मदग सामेमा
न ॥ धकादि आदिनमकेली

अभसनि काद्रागमाना
दिनि न्यक मधुनक ॥ १॥
युवयसु नमिय थधुनका
वयजमान न ॥ यक्षसंठप
याने मृयकाणम विवनेष्ट
या अयाययजमान न ॥
वाक्ष ॥ ६० अयादि ॥ यजमा
नस्य अमूक जल दायज

लजा यजलपुनिष्ठा निमिष
 थं ग्रीसूयुयाच नमः ॥ य
 थं नमः ॥ ॐ भास्वायकाथ
 नि ॥ मृलायाय कसायाया
 ॥ ॐ दमासनादियुयाया
 दार्घ्यं कृता ॥

मैसूयसा नवलिविअय
 वाकथाय सद्दुतयाव ॥
 आवाथनि ॥ ॐ अयादि ॥
 उवूनसत्कानया सार्घ्यपा
 नुपुता आनपुजा ॥
 ॐ सर्वविधिदुभयः सर्व
 दुभयः वलिंष्टु २ स्वाहा
 ॥ ॐ अनकादिवपुलनाग
 नाशुया वलिंष्टु २ स्वाहा
 ॥ ॐ अमिश्रयाधियगथेन
 लयगिवदुका निनी सर्व
 दयया वलिंष्टु २ स्वाहा ॥
 वद ॥ ॐ दुर्गदुर्गयावान

॥ ॐ अमिश्रया गासदयालिय
 दिविदुम्या भयां सद्दुय
 थाज नवधनानि गन्तमसि
 ॥ ॐ अमृगानामधियगथेन
 विगिर्यासकयादि नः ॥ भया
 २ सद्दुयया ऊ नवधनानि
 गन्तमसि ॥ ॐ नभासुसर्थया
 थकजयुथिवीमनू ॥ अमृग
 विदुयादिविभसथे शान
 मः ॥ ॐ सर्वविधिनिवावय
 जलयादुवकाविदु २ स्वाहा ॥
 वंदनादिधूयदीय वलिंष्टु
 ॥ ॐ दुर्घददिग २ वयि
 माकमसिवादिमावाधिना
 दुर्गोणावदुकादुगत्तगव
 तीदुवमनाथायया ॥ मसा
 भसवमादिदवमहिनीसा
 कार्त्तिनीमायहा निर्यनमा
 दिसगमवल्यादिपूजाधि

नं॥ अङ्गनादि॥ वानेविम
ऊनिजलसमि॥ कामयित्वादि
थ॥ हायकावयोय ॥ ॥

आचार्याश्रुद्वग ॥ १० काय
काननागयाश्रुद्वग ॥ १० काय
यावमपुयमदाल ॥ १० व०
अस्मायारुट ॥ १० कायार्थव
उलमपुयद्विनिनागया
अस्ममकनधेनामददल
खनहाय ॥ १० व० अस्मा
यारुट ॥ १० उलमपुयपु
याथनेयारुट ॥ १० निरु
मि॥ १० धनविधि॥ १०

अथयश्रुनयसाधनं ॥ ॥
यश्रुमानन ॥ १० अयादि ॥
यथादि ॥ १० यथातानन ॥
उलयादिनिमित्तार्थव
यथातानन ॥ १० सामय्यामि ॥
यथातानन ॥ १० सामय्यामि ॥

यार्थ ॥ वननमस्कायन्यासा
यथायपुजा ॥ न्यास ॥ १० व०
अस्मायारुट ॥ १० कनसाधन ॥
१० यार्थपुजायनम ॥ १० व०
नरुयाथनम ॥ १० व० मध
माथनम ॥ १० व० अनामिका
थनम ॥ १० व० कनिष्ठाथनम
॥ १० व० कलनमाथनम ॥
कन्याथनम ॥ १० नयास ॥ १० व०
ददयायनम ॥ १० व० निरुम
याह ॥ १० व० निरुयाथनम
१० व० निरुयाथनम ॥ १० व०
यारुट ॥ १० अयथायपुजा
१० व० अयाथनम ॥ १० व०
नम ॥ १० अयाथनम ॥ १० व०
वधि० ॥ १० नन ॥ १० अयादिनायुज
नं ॥ १० अयादिनायुज
नयुथनम ॥ १० व० नम ॥ १०
थ० ॥ १० अयाथनम ॥ १० व०

पूजा २

भायधथावथन। सुववगीरु
 ननतिष्ठयुयति॥ ॐ जनयेवा
 मंजीमिउमनेविदंमनीवाम
 आविथलायभासिविआयुव
 नूयथावमयकूयनिष्ठयथा
 मनिष्ठवर्वमादिपसीदवन्ना
 प्रययउवविष्ठधिनक॥
 थायावम॥ पूजनं॥ यदनसि
 दूवयकूयवीनपूयसादि
 न॥ स्थाप॥ ॐ निर्मलकायव
 वायवद्वकूयननिवर्कन। सुव
 म्कवायपूयानां विनिर्नव
 वृयिणी॥ पूजनं॥ स्थापि
 कूयिष्ठयगुलाधन॥

सितार्गकावथ॥ ययानिच
 ऊमानराग॥ ॥ नामय
 लिमपूजा॥ स्थापयदसिदु
 वयकूयवीनपूयअइवा
 नधूयदीय॥ ॥ ॐ स
 आजागायनम॥ ॐ नि

आनामासि॥ ॐ सुडाजागा
 ॥ स्थापकाय॥ ॐ नामयलि
 नपूयायसर्ववायुयलासि
 ॥ ॥ सवथायहनअवगह
 नूयायननम॥ ॥ पूजनं॥ स्थापि
 ॥ ॐ नि॥ नामयलि॥ गार्जनं ॥

तथायजमानायायवचनव
 विय॥ स्थापिकासभायनिद
 नयुमहसुदद॥ ॥ स्थापमे
 नं॥ यद॥ ॐ वाचनं॥ सुव
 मियालकं॥ सुवामियदु
 सुवामि॥ स्थापकं॥ सुवामिना
 रिक्तं॥ सुवामिमहकं॥ सुवामि
 पायुक्तं॥ सुवामियविना॥ सुव
 थामि॥ स्थापनं॥ ॥ दसपद
 ला॥ ॐ मनस्कयाययका
 काकूआयायकवि॥ ॥ स्थाप
 आया॥ यगावदकूआया

काद्य ॥ धर्ममलयालतनत्र ॥
 निवर्णकिलसद्युज न ॥ १५
 यादि ॥ यजमानस्य प्रसूकजला
 प्रयजलजायजलप्रमिष्टानि
 वग्निकिलसार्चननिमित्तार्थ
 कुरुं श्रीप्रयायाद्यं नमः ॥
 ॐ माहायका भगि ॥ तावना
 य ॥ यथाताजनमस्त्राव ॥
 वाद्वलसमर्थ ॥ वाद्वलान
 ॥ ॐ अद्यादि ॥ अर्चयाम्युज
 न्यासादि ॥ ॥ नमो मूलक
 लगानिववाभग्निकिददे वि
 यनीनेन प्रुजा ॥ नमो मूलक
 लगानिवनग्निकिदक प्रुन
 थ ॥ ॐ श्वसमभग्निकिदक प्रुन
 सनस्त्रगी सवृद्धसाम सव
 नाय नृणां अमिष्टा मनुहु
 ॥ यविनस्त्र ॥ थकउ मृपूजा
 सुखादया ॥ मूलनेशुं
 लि ॥ ६ ॥ ३ ॥ ॐ ॐ

वद्वलानमः ॥ ॐ ॐ विद्वधुतमः
 ॥ ॐ ॐ यदायनमः ॥ ॐ ॐ वि
 धवायनमः ॥ ॐ ॐ सदागिया
 यनमः ॥ थद ॥ ॐ सवृद्धसमी
 या ॥ ॐ ॐ धर्मलुक्मी ॥
 जायका ॥ ॐ ॐ विद्वधुतमः
 लती ॥ ॐ ॐ नृणां यद्वलानमः
 ॥ ॐ ॐ विद्वधुतमः ॥ यद्वलानमः
 विद्वधुतमः ॥ ॐ ॐ विद्वधुतमः
 मृष्टमः ॥ ॐ ॐ विद्वधुतमः
 मि ॥ ॐ ॐ विद्वधुतमः ॥

नमो मूलकानिववाभग्निकिददे वि
 यनीनेन प्रुजा ॥ नमो मूलक
 लगानिवनग्निकिदक प्रुन
 थ ॥ ॐ श्वसमभग्निकिदक प्रुन
 सनस्त्रगी सवृद्धसाम सव
 नाय नृणां अमिष्टा मनुहु
 ॥ यविनस्त्र ॥ थकउ मृपूजा
 सुखादया ॥ मूलनेशुं
 लि ॥ ६ ॥ ३ ॥ ॐ ॐ

मध्वरी। आवाये। वावथय्या
 १० सर्वविघ्ननिवायणी॥ नाथ
 मरु। वरीयकं यं यं कर्मस
 मावरे। १॥ सा मादकि यमन
 दा। यावत्कालं विमसगि। वा
 क्य॥ ॐ अरुम वदमथय
 विद्यानां धर्मसुताय वा। यय
 समारु वयं यं सुतं वदुनि
 वारुया॥ सुतमव॥ ॐ द्वा
 यमुद्रं दृष्टुं साय रुट॥ १॥
 ॥ ॐ ब्रह्मादेर्लवल॥ १॥ निर्य
 १॥ नलिचमन॥ १॥ ददनिवक
 ललवामाकि कलनीकाय
 थ॥ १॥ ययालिपुवली॥ १॥ नि
 जमली॥ ३॥ ॥

नमः निवमकि कलनायुज
 न॥ न्यासाद्यपारयुजा॥
 वद॥ ॐ नत्वा या मिषम॥
 ॐ त्वमनयुनि॥ १॥ ॐ रुव

सिद्धमिवस्थद्विनिवसि विध
 आयोविधस्य नुवनस्य धर
 पृथिवी। यद्वपृथिवी नु १६
 पृथिवीमासादि १६ सी॥ १॥ ॐ
 मययुजनिवधमवकर्म
 काजस्योमययामालि १॥
 निवकमज नयमिता विध
 नुवनानिगदु॥ १॥ ॐ स्थान
 पृथिवीमा॥ १॥ ॐ यत्वाविपु
 नयथा॥ १॥ ॐ द्वाभादवी॥
 ॐ अमिदिनिव॥ १॥
 ॐ आधावाद्ययुष्टिका
 सनायनम॥ १॥ ॐ गवृशम
 नायनम॥ १॥ ॐ ययामेना
 यमम॥ १॥ ॐ शुद्धपुटिकर
 काशी गवृशम नसीद्धिग
 १॥ यदुदुजंदि नययु विध
 शायीनमीध्वरी॥ गदावक

दिहसायां पाशुनायै वंकीय
 रं । अथ कवाया विधुसिवा
 यदवनागनं ॥ ॐ यद्वा
 सनायनमः ॥ ॐ वृत्तासना
 यनमः ॥ ॐ वामयचाल
 नादयी । वडुहकावयथी
 वना । सर्वलि कालमयुका
 थकवकास । लोचना ॥ अ
 थोदयलिव रथु डवव
 पूरुकाडुका । वगानिध्यावि
 गाध्याथ सुर्किनाथरुविपि
 या ॥ ॥ श्रिया अलि ३ ॥
 ॐ जौंकील श्रीवा सुदवा
 यनमः ॥ ॥ ॐ पूवुका
 रुमाय लया सहिगायन
 मः ॥ थद ॥ ॐ सहयणीया
 ॥ ॐ श्रीधुगेलथी ॥ ॥
 ॥ ॐ निमुयन विधिः ॥ ॥

ॐ वदुयज्ञान ॥ ॐ १० दवि
 मः ॥ ॐ नमः १० मवायव ॥
 ॐ आथी असासातन ॥
 ॐ १० ममी । नयमूनति ॥
 ॐ य अउतय सनत्वनी ॥ ॐ
 नदीय १० थो डिदु ॥ ॐ ड
 यक थुनिनीना ॥ ॐ यवि
 स्त्री ॥ ॐ ववु लया मीरुन ॥
 ॐ ममी गाने उगन ॥
 १० निनी थ आवाहन ॥
 यरु ॥ ॐ आरु अतिरु ॥
 १० द्यादि ॥ ॐ गानानमिद
 निदगला कयाल पूजा १०
 ॐ गलानात्रा गलायति १ ॥
 ॐ वरु सग अगिअग ॥
 ॐ वस थमवगनि थम

कर्मधर्मप्रतिष्ठानं धर्मप्रतिष्ठानं
मध्यमवर्गं धर्मप्रतिष्ठानं
अक्षयकल्याणमस्तु ॥ ॐ नमः
स्वागतासु स्यात् ॥ ॐ नमः
कुलीकाया लघुका ॥

ॐ लिङ्गानामासि ॥ ॐ अ० न
अस्माददहनयनिनसम
भासयद्यत्प्रायदसक
मद्विद्वद्विद्वत् ॥ ॐ प० प्राय
दवैद्यमायद्विद्वत्पृष्ठ
म्यनि० यत्वा० द्द्विद्वत्पृष्ठ
न० ॥ श्रीश्रुत ॥ ॐ यावकान
सुवर्चनी ॥ ॐ महसुधीया
॥ ॐ दिव्यवर्च ॥ ॐ निनि
वर्च ॥ किंकलशाचनं ॥ ॥

इंस्वाविंस्वादिवासनका
पूजायाये ॥ ॥

(नाम उक्ता ॥ ॐ नमो नारायण ॥
 वलि ॥ ॐ नमो वल्लभाय ॥
 (नाम स ॥ ॐ नमो (मै ॥
 सयुक्त ॥ ॐ वासुदेवाय ॥
 (नाम यालिंग ॥ ॐ नमः ॥
 ॥ यथा स्नानं दत्तं यजुर्न ॥
 ॐ हृदि हृदि गयावान ॥ ॐ यो
 दिक्कल ॥ ॐ नमो ज्येष्ठ
 लक्ष्मी ॥ ॥ मासयथादि
 ॐ अष्टमासमादि ॥ नमः
 कन ॥ तिथि शुक्ल ॥ वदुः
 अस्ति ॥ धूपदीपजापमा
 ॥ ॐ मन्त्रोपधीमादि ॥
 वरुणिकलमात्रनविधिः ॥

मृत्ता वायस्यिना नाम धुलह
वनया हा वसुया चिथाय
॥ धं मृयादि ॥ यजमानस्य

मधुना। पुनाना यदुनविष्ठा
 या हृदया या वङ्गी हृदयशान
 वाट आया विरुमा वेदवु॥
 ॐ जगद्दीया यनमः॥ ॐ
 वरुग नियुम्पननिशुवन
 सिनियुम्पन। अयदवेद
 वरुगभो। अयागिरुमव
 मन्त्री मयदुर्न पुननाध्या
 नियुवमस्यादि॥ ॐ कं अन
 कोय अनकनकथनमः॥
 युवाकवलिसदुर्नमुनः॥
 ॥ दवदवडवावे॥ ॐ कोम
 ४ अनकनागवाजायसिद्ध
 वगनभारुनायविषमपु
 लसंरुगाययशुहृ॥ ॐ
 मरुिगायसकुरुजनेमूक
 उमिहामनेसालकालोय
 यजन्नावाधाधोवेकवेदय

२ अतिगालियुव २ मव २
 लेले २ वृवदि। गोरा। अ
 नकनागवाजायसिद्धा ॥
 अयिउ ॥ अनकनागवाज
 ययुवेवगिरुमावेदहि
 हवाहृमा। नथवाडरुय
 याध्वेयवागम्यायुवः॥
 वावायुसन्त्यायिभावाय
 टीवाथटकायामहापलय
 नकयथावययनिस
 अयाविवयय २ वाहा॥ ॐ
 वदिगयद्विथ॥ ॐ अन
 वृधुद्विनिददातिद्वय ॥ ध्वय
 दीय ॥ जायभाय ॥ ॐ नभा
 अनकाय ॥ वधुवकयुनिस
 काणा दागिमी वृममः॥
 रु४। मकाहागवनादायम
 लिदकि समुहल ४। अन

आनयसागिनसकुण्डुजान
ममदृष्टं नवमिंदासनसा
लिकालेणवासकिनागवाजा
यत्वाहा ॥ गयथा ॥ वासकि
नागवाजसमयुधवासिनाथा
वासदहिरुवासेकानथावा
डरुयवाध्ववभावागमय
२४ सभावाष्टरात्र्यायिभा
वाधटीवाधटकावायलया
ककालेयथावर्षयनिम
मृद्यायिवर्षय २ स्वाहा ॥
द्ववदिगदिथ ॥ ॥ शिवेनद्र
वृंददानि ॥ धृयदीयजाय
का ॥ ॥ डे कपूरमहिमकूंद
दृष्टमवाधुमिहावल ॥
सुखभायलयावीवसह
महागमपुत्र ४ ॥ वासुकीना
गवाजाभी महागाकसुवी
यवित ॥ सुविगाकनविम
॥ न जलेयुधुमिकीकुरु ॥

यजमानस्यजलयागानिमिथ
धंदासुकीनागमयनविध ४
नसवयविपुधुमसु ॥ वेनि
वासुकीनागवाजाचन ४ ॥

गगसदयनागवाजायुजा ॥
डे गदवायदहिरुवाधवीस
हिगायकदसासननम ४ ॥
धुन ४ ॥ डे नका ४ ॥ स्वकिका
धन ४ ॥ सुगजागदका मग ४ ॥
नऊसायानिदीकन दगव
सिकलाचुन ४ ॥ डे जाथा
अस्मानागव ॥ डे दवा दक
समूदायनम ४ ॥ डे मनू ड
वाचमला अस्मकनृवदा
४ ॥ ॥ धम नदुधेन ॥ कनीय
वाचजसिगाहि वाधुमम
महिवाअधन ॥ डे गालि
लीदीयायनम ४ ॥ डे ४ ॥
मायपवकतावधयमली

गुणः कर्कटकनागपूजा ॥
 उं कर्कटकनागनागायधिय
 कादवीगदिसदिगायदमा
 सननमः ॥ ध्यानः ॥ उं नील
 कर्कटकः कः ८८ रुपावि
 कटसकुकः १३ कलखा
 आथराधामदंययुगाय
 ना ॥ उं कावथनमः ॥ उं
 नादवी ॥ उं दृगत्वादसम
 दायनमः ॥ उं दृगत्तनीगा
 मधुनासमधुनाविद्येदव
 मपूनामवृद्धिः ॥ उं दृगत्तनीय
 यसाधिसमानासात्सीनय
 वसात्ताववृत्त ॥ उं कृष्ण
 दीयायनमः ॥ उं दृगत्तनी
 निमात्रायादविष्मां ईश्वरवि
 वासनि ॥ उं दृगत्तनीय
 यादृविष्मां ईश्वरवृत्त ॥
 उं दृककर्कटकनागनागा

यादिवकादवीगदिसदिगा
 यनमः ॥ ॥ यवाकवलिम
 इदममः ॥ उं दृगत्तनीय
 व ॥ उं कर्कटकनागनागाय
 मगसीयुष्मसकागिष्टुम
 पुलसिष्टुमगीगिष्टुनाकिग
 मदायलयाककालयस
 यवृथगवर्षयगिष्टुयानी
 मयिवर्षय २ वृत्तमवृत्तमले
 २ वृत्तमयदिगीयासिष्टुग
 जनममवृत्तमष्टुनावासिष्टु
 सननककर्कटकनागनागा
 यत्ता ॥ नयथा ॥ कर्कट
 कानागुवाजसासपूषेवासि
 रायवास्त्रदृष्टिवावका
 (नयावाडरययाथविवा
 वायुवसवावावृत्तानामि
 नावायदीवावृत्तकावावल
 यानककालेडत्यनमयवृ

नागनामयस्त्राहा ॥ अथिय ॥
उहो महायद्यानागनामय
लगादवीगकिमदिनायनम
॥ ॥ अथवाकवलिमइदम
न॥ ॥ अथवदवदवाय ॥ ॥
महायद्यानामनागनामय
नामपुनर्महनायवपुलीक
निरागयसवाकायविद्वि
नममकटमकममयजन
समिहसनालकात्रयवा
नरुणाकिनवाययादिवि
नममहायलयाककाल
त्वमेयवृथापयथावस्य
निम ॥ महायद्यानामनाग
नामयस्त्राहा ॥ नमः ॥ ॥
महायद्यानामनागनामय
सपुत्रैवासरुयविद्विद्वि
हवासरुयथावाडकयया
धवावायूनसनायुवायून
मिनावायटीवायटीकावाय

आनकाभयवयनिम
दानीमविद्वयस्त्राहा ॥
दुर्वाकतपादिध ॥
मिथिनद्वददनि ॥ ध्रुय
नीयजायसा ॥ ॥ अथक
यद्यसमायधुविमनि
दलायली ॥ खनगुलाइ
वृतिवलीविशोधुविम
वृदा ॥ महायद्यामहाना
नाममहाकाथामहायानि
॥ सवृष्टिकुननालागम
यसनेनयनसा ॥ यजमा
नयजनायामहायद्य
नागवृनविधि॥ नमः ॥
विष्टुष्टुमयु ॥ अथवा
दि ॥ ॥ निमहायद्यानाग
युजाविधि ॥

नस्येना नृनाजस्यसयुभेव
 सतायावासइहिठवास
 ता(नथेवाइरुयवाथवे
 भावायुनः सभावायुष्ठान
 मामिभावाधरीवाअरुक्
 वायुसयानककालयथाम
 यनृथपावर्षयतिस्मरे
 दानीमयिवर्षयस्वाहा॥
 दुर्वादिगयिदिथे०॥
 नथेनइइददाति॥ध्रुव
 दीयजायसाण॥इदुर्वा
 दललवग्यामःसूत्रये
 यद्वलावनः॥एकवैखा
 दिनरीवासहासागीस
 वीयवान्॥शिवयात्रु
 जंगल(गामहाकावृत्त
 नीलवान्।समृद्धासर्व

सम्यन्नाजलवृष्टुमर्डीक
 वृ॥यजमानस्यजलयाय
 ग्निस्वयालनागार्चनविधि
 ४ गन्धधूपनिद्रुपुसु
 जयगन्धादि॥
 एगिनीस्वयालनागनाज
 यूजाविधि४॥ जाय३॥

नमःकलिकनागयूजा॥
 डंकलिकनागनाजवि
 इतिधाविगाकिसहिगाय
 एदमासननमः॥ध्यानः
 ॥डंकलिकःकृष्णवर्ण
 तश्चन्दलाङ्घ्रिमस्तकः
 ।दीकृतागकृताभायः४
 ननदलालदिनः॥
 डेवदुर्गाभयनमः॥डे
 डयद्वानिनीना४संग

२ रूपार्थवत्तानुपायः स्थापनयामासा निधिर्द
मृदयका इमदयका इदु पादयका सा सा ३। स्वयमे
पूजायकमद सा विमानपूजा सा ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥

भयवृथया वरयनिस्म
दानीमयि वरयिस्मादा ॥
इवादिग यदिय ॥
भीष्टेन इष्टं ददाति ॥
धृयदीय जायसाय ॥
इष्टीक सागवत्तैय मयि
मय्या निगीय ग ॥ १ ॥ महानि
याव ददय वद ददुग
लाय नु ॥ ॥ कलिकानाम
नाज्ज्दोम होवल यमाव
म ॥ कमा उमदगदिदि
मयमन न न न ले ॥
॥ ॥ ॥ ॥

यजमानस्य जलया य
कलिकाना गाव न वि
॥ १ ॥ नत्सव यनि पुपुम
यु ॥ अग न्यादि
हनि कलिकाना गाव न

विधिः समाक ॥ ८ ॥

ययवावृणयाविमान ॥
यकोल सथाह तनिवास ॥
उं वृ नदाथेनम ॥ ॥ उं वृ न
पणववृणयाविदा भव
यदिका ॥ १ ॥ अ व या स सीका
॥ १ ॥ यजिथा वद्वि गम सास
या भावि ॥ १ ॥ १ ॥ सिपुम
इत्तम ददा ॥ ॥ ॥ उं वृ
आ न य ववृण यनम ॥
यवाक ने वय स इदग ॥
धृयदीय जायसाय ॥ ॥ उं न
भा स्व न काय स रु म म रु
य स रु य या दा रु मि
मृवा रु य ॥ स रु य ना भू य
मृवा य स रु य का टि य
न धा नि ॥ १ ॥ न म ॥ १ ॥ अ ग य

सदस्ययन्त्रिणासासावि
ननामडाकः ॥ नतिना ५
अजसविउविह्ववि
मं अतुमवृगः स्वकाय
चाहा ॥ ॐ वृं १०१ गानव
वृणा यनमः ॥ ॥ यूवा
कनेवडासदृइने ॥ ध्रुय
दीयाजायस्मा ॥ ॐ नमः
स्वनकायसरुसुसम
सरुसुयादाकसिभान
वारुथ ॥ सरुसुनाभिय
वृयायसास्वने सरुसु
कोटियुगधानि ॥ ॐ नमः
॥ अजगन्त्यादि ॥ ४ ॥

मधुसंधादुनिवास ॥
ॐ वृं वृं पुथिनमः ॥ ॐ ॐ
इरुमं वृं वृं या ॥ १ मम

दवाधमविमधु विमधुम
५ ग्रथाया ॥ अथावयमा
दिश्ववनेतवा नागसा ५
अदिनयश्यामचाहा ॥
युवाकनेवडासदृइने ॥
ध्रुयदायजायसी ॥
ॐ नमः ॥ स्वनकायानि ॥
अजगन्त्यादि ॥ ॥ ६
यायादल्लानयागसाथ
नममालमयागसाथन
मानि ॥ ॥ नि ययवावृण
रुनियायुजा ॥

ननामधुववृणनागका
युजा ॥ ॐ अथावायस
वृथिकासनायनमः ॥

॥ ६ ॥ ॐ वृं वृं दि ॥ ॐ वृं वृं
दि ॥ ॐ वृं वृं यमकनासना

[illegible][illegible]

यूनश्चक्रुर्दण्डवन् ४५
 ऊनं ॥ ५॥ इन्द्राणां प्रायवि
 मृश्या अन्नकाय नमः ४ ॥
 इन्द्राणां गलाय नमः ४
 न्यः कथिलाय नमः ४
 ॥ ५॥ इन्द्राणां गलाय नमः ४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ वि
 मलाय अनन्ताय सक
 लाय नमः ॥ ॐ सुगलाय
 सकलविश्वारूपाय
 नमः ॥ ॐ निमलाय स
 मृद्धात्मिकाय नमः ॥
 ॐ तलाय यवतश्चा निम
 लाय नमः ॥ ॐ निपात
 लयुजनं ॥

गुणादुल्लाकादिपुजनं ॥
 ॐ हलाय कायसमिच्छाव
 नरुदाय नमः ॥ ॐ कुव
 लिकाय रुम्भुदाय नमः ॥
 ॐ सुलिका
 यनद्विधालोकनाथ
 य नमः ॥ ॐ मरुत्तकाय
 रुमिहाः रुलिभ नमः ॥
 ॐ जनलाकाय पृथिवी

मलिह्वलाय नमः ॥ ॐ न
 धालाकाय वासुदेवाय नमः ॥
 सुमृद्धाय नमः ॥ ॐ सुमृद्धा
 काय ह्वुवः स्वः ह्वुदाय
 नमः ॥ ॐ निजकुदगकुव
 नयुजाविधिः समाप्तः ॥

ॐ पूर्वसमृद्धाय नमः ॥
 ॐ दक्षिणसमृद्धाय नमः ॥
 ॐ पश्चिमसमृद्धाय नमः ॥
 ॐ उत्तरसमृद्धाय नमः ॥
 ॐ मानसभावभूतानमः ॥
 ॐ जनतयभावभूतानमः ॥
 ॐ सकलागभूतानमः ॥

ॐ वसुधाय सगलाय विना
 भूतानमः ॥ ॥ ॐ
 अलि ॥ ३ ॥ ॐ वसुधा
 नागनागाय नमः ॥
 किं हि नाय नमः ॥

पुष्पाक्षवलिमर्णिवनद्वय
नमस्तु ॥ धृष्टदीप ॥
श्रीधृष्टदीपवदवाच ॥ उव
बुल्लानागमाजायुर्गोस्वार्त
दिमर्कदविग्रहद्वयमधु
लसंभुगायनागमधिवाजाय
वागहकायस्यविकिन
गणमरुकिगमवूटानिस
वविग्रयवानकवत्तमधि
गनवधुक्कृष्णानिदुः
राजनवधुजिगनवसिंह
सनसावकागममवूट
समर्कधुविमालिदुः
ददितविग्रहमहासा
धायसहस्ररुणाविकृ
विगणिनमगावायहाय
निशानन्यायनयोऽथ ॥

यमस्वर्गद्वयमधुयद्वय
यन्निवाविवाविग्रहोयम
विकृष्टमधुसमधुल
द्वयद्वितिसंज्ञानकाव
याङ्गियोनाममधुनव
व्ययश्चाला ॥ महावम
गनागमाजायुश्चाला ॥
वाजमरु ॥ उव ॥ १० दान
मधुधनवा ॥ धु ॥ यजा ॥
नवावर्षय ॥ २ ॥ वृ ॥ २
मवृ ॥ २ ॥ ल ॥ २ ॥ द ॥ २ ॥
हा ॥ धूनवधि ॥
वद्वलनामनागमाजायु
रायावाययुर्गोवसि
दाहिरुवासरु ॥ ग ॥
वाडिरुययाग्यवय
वापुन ॥ ४ ॥ सभावायु

या ह्येव कल्यकल्ययुग
 युग ॥ अनाद्यहिरवत्का
 म इति द्वे वा नन्दो न क
 ना गच्छान गच्छता गच्छी
 नमस्तु गच्छता गच्छी
 कश्चित्ता श्रेष्ठोऽस्तीष्टुष्टव
 अथापि वा ॥ एका मे यश्च
 त्रिस्तुति वा युज्यते त्वेव ना
 गच्छान ॥ युजाति कथय ॥
 त्रिस्तुति नवना गच्छता
 न ॥ यथावत्तन्निष्ठेष्वेव
 लाकवन्दनि वा विष्का
 ॥ नागदुष्ट ॥ सदस्यजा
 यगच्छता येष्टवमस्तु
 यत्र ॥ यथायलयाका
 प्रयु मयि मयि मयि मयि
 ॥ न दान न न वृथ स

मंथामियवमश्चन । कानि
 अमयना गच्छा कलानि
 कथिगं कतिन ॥ वयं या
 निमलाश्च वृत्तलया न
 यथा कृणु ॥ नवना गच्छ
 नमः ॥ ॐ वृत्तलया नम
 ॥ ॐ ॥ स्विष्टकृदनिता ॥ शु
 ॥ सुदयष्टी नृलावन
 ॥ सुदयष्टी ॥ भाता
 ॥ सुदयष्टी ॥ सुदयष्टी
 ॥ सुदयष्टी ॥ सुदयष्टी
 ॥ सुदयष्टी ॥ सुदयष्टी
 ॥ सुदयष्टी ॥ सुदयष्टी
 ॥ सुदयष्टी ॥ सुदयष्टी
 ॥ सुदयष्टी ॥ सुदयष्टी

॥ निप्रोचकं द्रव्यं व सुख
निष्प्रमिही सुख ॥ नञाग
सुखं कथं सुखं सुखं
दीप्यते यत्तु ललितं सु
सर्वसुखं समं देया विस्वा
सुखं ॥ यत्तु ललितं सुखं
रमे नानि श्राना न प्रयुक्त
४। वृद्धिं कृष्टं सुखं सुखं
वृद्धिं सुखं सुखं सुखं ॥ य
यत्तु नानि नानि सुखं नानि
नाञ्जलदा सुखं नानि नानि
सुखं सुखं सुखं ॥ ॥
ॐ नमो नमो नमो नमो नमो
सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं
सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं

दसनाम्नयुन्यायसा
 खन सहस्रकोटियु
 धाविष्णो नमः ॥
 ॐ नानायाणां तत्कानि
 र्था जलना आसदावल
 ॥ निमग्नस्थितविरुद्धा
 भीतागवाजा यमनम
 ॥ ॐ अनन्तदणवन्ना
 निविश्रययधनायदा
 नमोमहात्म्यदाय प्र
 नकायनमो नमः ॥
 यजमानस्य कलयागम
 नागमपुलाचनविधि
 ॥ गगनस्य निष्पृष्टमम्
 ॥ अगमन्यादि ॥
 साक्षात्कृतमोयाम्य ॥

१३ ग (६४) कण्ठपालस्यः सर्वकृतं च वयं नमः
 र्वनामस्यः पूजायै कुरु मया ॥ १३

[illegible][illegible]

यादिष्टुष्टुध्यानिन ४। नद
 नाकमुगत्मना ॥ लउ
 कयन ॥ ७ व ४ अस्मा
 यठर ॥ १ ॥ अष्टया
 मृणास्तेद ॥ ७ ॥ उं नाय
 कामरुगव ॥ ७ ॥ निवीक ॥
 उं यद ताद वद ॥ ७ ॥ न
 वास अक माव यमा अमि
 मागिमा ॥ ७ ॥ नसा विष्ठा
 अत ॥ ७ ॥ स ॥ २ ॥ क
 नम मा ॥ ७ ॥ न ॥ उं वा द
 याय नम ॥ ७ ॥ पूव ॥ ७ ॥
 व ॥ ७ ॥ अ ॥ ७ ॥ य ॥ ७ ॥
 ॥ ७ ॥ व ॥ ७ ॥ अ ॥ ७ ॥ य ॥ ७ ॥
 ॥ ७ ॥ क ॥ ७ ॥ व ॥ ७ ॥ अ ॥ ७ ॥ न ॥ ७ ॥ ल ॥ ७ ॥ य ॥ ७ ॥ न ॥ ७ ॥
 उं व ॥ ७ ॥ क ॥ ७ ॥ व ॥ ७ ॥ य ॥ ७ ॥ अ ॥ ७ ॥ य ॥ ७ ॥
 उं मा ॥ ७ ॥ न ॥ ७ ॥ मा ॥ ७ ॥ क ॥ ७ ॥ ग ॥ ७ ॥ न ॥ ७ ॥ य ॥ ७ ॥

मान १ ॥ अ ॥ य ॥ वि ॥ मा ॥ ना ॥ १ ॥ ना
 य ॥ मा ॥ ना ॥ अ ॥ (वे ॥ य ॥ व ॥ वि ॥ य ॥ ४
 ॥ मा ॥ ना ॥ वी ॥ ना ॥ व ॥ उ ॥ र ॥ वि ॥ ना ॥ व
 इ ॥ वि ॥ य ॥ ना ॥ क ॥ ४ ॥ स ॥ द ॥ मि ॥ वि ॥ ना ॥ व
 म ॥ ४ ॥ ॥ अ ॥ य ॥ व ॥ ना ॥ मा ॥ अ ॥
 न ॥ ॥ उं व ॥ ४ ॥ अ ॥ य ॥ य ॥ ७ ॥
 उं व ॥ मि ॥ वि ॥ इ ॥ व ॥ मा ॥ म ॥ ह ॥ सो ॥ गी
 या ॥ य ॥ य ॥ का ॥ व ॥ व ॥ ४ ॥ ल ॥ वि ॥ क
 वि ॥ न ॥ म ॥ य ॥ वि ॥ न ॥ व ॥ ना ॥ क
 य ॥ मि ॥ व ॥ ग ॥ ४ ॥ ॥ ॥ म ॥ ल ॥ न ॥ ७ ॥
 ध ॥ न ॥ ॥ उं म ॥ व ॥ व ॥ ना ॥ य ॥ न ॥ म ॥ ४
 ॥ ७ ॥ ॥ य ॥ व ॥ य ॥ क ॥ व ॥ ७ ॥
 ॥ ७ ॥ ॥ उं य ॥ व ॥ य ॥ म ॥ न ॥
 य ॥ व ॥ य ॥ य ॥ ना ॥ य ॥ न ॥ म ॥ ४ ॥ ॥ ॥
 द ॥ य ॥ य ॥ न ॥ य ॥ म ॥ य ॥ य ॥ न ॥ य ॥ य ॥
 लि ॥ ७ ॥ ॥ उं व ॥ द ॥ य ॥ य ॥ न ॥
 म ॥ ४ ॥ ॥ ॥ उं हि ॥ व ॥ य ॥ न ॥ ४
 म ॥ य ॥ य ॥ ना ॥ ॥ य ॥ य ॥ य ॥ य ॥

गयति भक्त आशी भसदाय
 नष्टाभिवां दाम्भनं मां कस्मै
 दद्याय दद्विषा विधेम ॥
 ददादि धनं दानं ॥ ७८ ॥
 दद दद्याय नमः ॥ ७९ ॥
 सस्य निमग्नं विद्यमि
 श्यका म्हादं सति भक्तम
 यासि य ६ खादा ॥ ८० ॥
 ददादि विधि देव न ॥ ८१ ॥
 दद दद्याय नमः ॥ ८२ ॥
 दय धर्मयवा धर्ममोवा
 धर्मगिला धर्ममूना धर्म
 खला धर्मविद्यं नवधर्म
 नमः ॥ ८३ ॥
 धर्ममया नाया धर्म
 नीयाना धर्ममा धूममा ध
 भम धर्ममा धर्मयज्ञनक
 ल्यना ॥ ८४ ॥
 ददाद्वि
 नविस्तवा सन ॥ ८५ ॥

दद्याय नमः ॥ ८६ ॥
 पुत्रपुत्रपुत्रपुत्रपुत्रपुत्र
 धाय ॥ ८७ ॥
 मः ॥ ८८ ॥
 १२ ॥ श्रीकार्त्तिक
 १२ ॥ वृद्धि धनि धाय ॥
 १३ ॥
 ता ॥ १४ ॥
 कर्मा ॥ १५ ॥
 यो ॥ १६ ॥
 दद्याय
 दद्याय विधेम ॥ १७ ॥
 दद्याय ॥ १८ ॥
 धर्ममया मया मया मया
 सि ॥ १९ ॥
 दद्याय नमः ॥ २० ॥
 १२ ॥
 दद्याय नमः ॥ २१ ॥
 दद्याय ॥ २२ ॥
 नमः ॥ २३ ॥

१३ ॥ श्रीकार्त्तिक नमः ॥ १४ ॥
 कासने ॥ १५ ॥

इया (येन नदुगालि प्रयम ४ ।
स्थिताया क... निमा ७॥
ममयिषानुसुवला कस
दिमान ४॥ ॐ वीणिमस
साहा ॥ १३ ॥ वृगासनं
॥ ॐ वैक ववायडू ॥
ॐ ववय स्वास विडे ४ य
सवाधिना वरिहा ॥ १४
आहसा ह्याम ॥ १५ ॥
हदादिल द्या आवाहनं
॥ ॐ वा हदया यनम ४॥
ॐ हिन वप्रवर्ज हनिनीस
वधु नजल मृगा । वददि
मं प्रयील यी जात यदी
ममा वरु । ता ३ आ वरु क
तय दाल यी म न स ग
मिनी ॥ १६ ॥ दशम

आन विधि ४॥ १८ ॥
डे व नूलाय अमृत न ज
नी ग कि च वा य करु उ
मगी ॥ श्री स्वा न ग जलम
॥ ॐ व नूला ग कि मा वा
हय ७ ॥ ॥ ॐ व व
हल व न ग हल वै अ
त्री मि द म ह न व ल न म
दि वा मि य म नि शुभ य
ममा न्या नि व मा न द म
ह न व ल न मृ कि ना मि च
मो स मा ना य म स मा ना
नि च वा न द म ह न व
ल न मृ कि ना मि य म्य य
व थु क व स व थु नि व
वा न द म ह न व ल न म
दि वा मि य म्य स जा

भायमसजाभानियवा
(ला लुग्या किना मि
विष्टुयवष्टन ॥

उं नायमीमस्तुपसगान
सियगन ॥ मूलन ॥
उं श्री वरुणा येनमः ॥
उं बुद्धि धाना स्वात्म
वह्नि मायमनक ससमि
धामदि। वयस्वनाव
यसुग स महस्वना सु
दहन्मि ज (नेमकद
ननमयवाभा जदारा
त्रिगावसास्वामि नया
वमणीय ॥ उं वा ॥ म
लन ॥ उं हला बु कारि
सकययनक ॥ जन
उदथा न्या वन ॥ उं हला कार २
वृत्तमय १॥१४

उं नागवस्तुपगाटुधः
उं हला कार २॥१४
शुभासधु विवाजा नामा
मकामधुवा जकीयमा
ना ॥ ६० ति जू विद्वष्टुजा

यजमाननतीर्थलखजा
नकावनेमयदोवम
लभाय ॥ निमिद्वन ॥ उं
नकाहली ॥ वलि ॥ उं म
धुवायेति ॥ मगदं गाउ
वासुपानदोय जनि
लाह नका ॥ सपुलाणी
वदि ॥ सपुला नथियनि
ष्टा ॥ लखधानथयाव
अरुम प्रयदुतयने ॥
जा जाउ न्वविश ॥ ॥

[illegible]

जानन ॥ उभयार्थार्थ ॥
 अर्थार्थ ॥ उभयार्थ ॥
 अर्थार्थ ॥ अर्थार्थ ॥
 अर्थार्थ ॥ अर्थार्थ ॥

[illegible]

[illegible]

कृत्वा ॥ मूल न पूजन ॥
 उक्तं वक्तुं नमः ॥
 ॥ श्रीवसुदेव न
 यो वै आचार्य श्रीक
 यति आचार्य कन ॥ ॥
 वृद्धिनी आचार्य आत्म आ
 यथार्थनी आचार्य पकी
 कृत्वा ॥ ॥ जल वक्तु
 विजय मणी ॥ उक्तं विजय
 क्राम्य ॥ आचार्य सनाय
 स्यात्वाय सपजा ह्याय
 सवीर्याय सामर्थ्य
 नासक्तता ॥ श्रीक ॥ यज
 मानस्य जल ॥ यज जल
 या यज जल ॥ यज निष्ठा
 यज निष्ठा यज नमः मूल

मन्त्र ॥ ॐ ह्रीं म म म ग (मं च म
 म म न स्व गी स व द श्वा म
 म च ना य वृ क्का अ सि द्वा
 म नृ द (ध वि न स्का य) जि
 क ॥ ॐ गृ ण्ण आ स र्वा द य
 स्वा रु ॥ मृ ल न वी र्यं
 व वृ ण ग किं ग र्कं स्म अ
 न ॥ स र्व वा न्म (न न स्व
 सि वा च न य (१७
 १० गि ज ल स्का य न ४

इ व ४ अ म्ना य रु द ॥ न
 दा ॥ ॐ म म्म लि भ व म्म
 ला क्का द या मि सा म स्त्वा
 वा जा मृ न ना नू व स्का म
 ॥ उ वा र्व नी था र्व मृ ण
 रु (ला रु रु य रु स्त्वा न

६ ॥ उ उ र्व दा स न ॥ ॐ मृ य दा य

द वा म य रु ॥ स ना न पृ थ
 उं र्वे क त वा य रु ॥
 ना रु न ॥ ॐ मृ द्वा दि वि
 मृ द्वा अ नि ४ मृ थि द्वा
 मृ द्वा वि द्वा ५ उ वा धी ना
 वि थ ५ ४ ॥ र्वे थान न ४ स
 रु सा मृ द्वा अ नि ४ स म
 दि वा स नि व स या रु न क
 ॥ य वि रु वृ ग थ नि न म
 ॥ ॐ मृ (व दा य १० द मा
 स न न म ४ ॥ ॐ र्वे मृ ५
 (न व वृ ण ल वि द्वा र्वे व
 स रु ५ ५ मृ व या स सी
 या ४ ॥ य जि म्म म व दि म
 सा मृ वा ना मि द्वा रु द्वा
 र्वा सि य मृ द्वा स मृ

७ द मा स न न म ४ ॥ ॐ र्वे य रु र्वे द सा म व दा र्वे र्वे न द्वा

ना विनमामहान् ४१ भ
 लिङ्गा अङ्ग सा वेदु विद्म
 विष्णुम अङ्ग ननु ४२ स्व
 काय ॥ ॥ ॐ निचउ
 वदिक्काय न ॥ ॥ ॥

ॐ वृक्षलाय
 माधोस पूज न ॥ ॥

नमो विद्मदिना कयलि
 पूजा ॥ ॥ ॐ १० द्याय
 वक्ररुक्ताय गंगासना
 यस्तना धियमथी नमः ॥
 ॐ आग्नेनाकिरुक्ताय
 क्कागासनाय गङ्गा धियम
 थी नमः ॥ ॐ अमायदधु
 रुक्ताय महि आसनाय
 यमा धियमथी नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
स्वायम्भुववाङ्मनाय वा
देवाधिपतये नमः ॥
ॐ देवप्रभाय वाङ्मनाय
यमकवाननाय ॥
लाधिपतये नमः ॥
ॐ वायव्ये वाङ्मनाय
मृगवाङ्मनाय वाङ्मनाय
धिपतये नमः ॥ ॐ देव
प्रभाय वाङ्मनाय
ध्रुवाङ्मनाय ध्रुवाधिप
तये नमः ॥ ॐ देव
प्रभाय वाङ्मनाय
वासनाय वाङ्मनाय
यमकवाननाय
स्वायम्भुववाङ्मनाय

नमः ॥ ॐ देवप्रभाय
मृगवाङ्मनाय वाङ्मनाय
धिपतये नमः ॥
ॐ देवप्रभाय वाङ्मनाय
यमकवाननाय ॥
लाधिपतये नमः ॥

वसुधाय वाङ्मनाय ॥
ॐ देवप्रभाय वाङ्मनाय
मृगवाङ्मनाय वाङ्मनाय
धिपतये नमः ॥ ॐ देव
प्रभाय वाङ्मनाय
ध्रुवाङ्मनाय ध्रुवाधिप
तये नमः ॥ ॐ देव
प्रभाय वाङ्मनाय
वासनाय वाङ्मनाय
यमकवाननाय
स्वायम्भुववाङ्मनाय

[illegible]

॥ अथ यथैव ॥ उ अथादि
हामथा उ वस्तान उ उ
दधामना मरुवना यव
कर्म ॥ उ अथ ४ गिय
गमान मरुवना यव
मरुवना ॥ उ गमी निवमा
नव ४ ॥ उ गमी १ अमन
मामवा यथा क यो य वि
नृथ ॥ वन्दनादि य ४
यवी मरुवना ॥ य व
मवी दिद्वानि यथा ॥
युजर्न ॥ उ वयम १ नम
४ ॥ उ वयम य ४ न यथ
मयुवना दिमी मरुवना
वृथी वन १ अमव ४ सवृ १
उमा १ अमय विहो ४ सग
ग्रथा निममन १ दिव ४ ॥

पलीनयुजन् ॥ ॐ वला
मास नमः ॥ ॐ श्रीलियदा
विषयमविष्णु (अपि) ॥
मृदाय ॥ अ (ध) धर्मा
निष्ठावय ॥ १० निष्ठाव
॥ ॐ अक्षयवर्षादा (लाव
नववर्षीजायनामाना
द्वमाजन्म ॥ १० ल १० वथा
धियाधिमदाव (ध) जाय
नादायी (ध) नूवाधानद
नासुसमि यवविथ्या
वाजिष्णुव (ध) दासरथा
युवासायजमानस्यदी
माजायना निष्ठा मनि
कामन ॥ १० यथाश्रावव
युल्लवश्रान्त ॥ ॐ अ
धरा ॥ यथाकाश्याम

कमानकल्यता ॥ ॐ अक्षय
दि (ध) वक्ष्यता ॥ ॥
ॐ विष्णु ॥ नगाटमसि वि
ष्णु ॥ १० अक्षय ॥ विष्णु ॥ १० अक्षय
नसि विष्णु ॥ १० वासि ॥ विष्णु
वमसि विष्णु ॥ १० व ॥ १०
मथयलीनतदायन ॥
म (ध) स ॥ ॐ अक्षयामधि
मथनम ॥ ॐ मदा ॥ १० १०
माज वाजसायज्जाश्राव
दिमावद ॥ १० मवसस्य
वाव (ध) अक्षयामसट्डी
माक्षयदायवमनआनि
निष्ठायत्वा ॥ ॥ ॐ अक्षय
वत्यजन् ॥ ॐ कथान
धियायवद्वगीसदाव
ध ॥ १० सखा ॥ कथामविष्णु

यादृशा ॥ दू (न नय निरु
नलीशालि या को आय ॥

यथा शक्तिमन्त्रकल
भाष्ये ॥ ॥ मूलके

लक्ष्मिदययूजन ॥ ॐ न
दायामीत्यादिदायास
न ॥ ॥ ॐ निवाथन

म०॥ ॐ नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

४ मङ्गलान्द मङ्गलान्दो

॥ सहस्रं च संवत्सरा

अनिष्टदोषोत्पत्तिः ॥ ३ ॥

श्रीशमलक्ष्मीयन्त्रोम्

कावाशयो। नन्दनं नि

वृत्तमश्विनाद्यादि

प्राज्ञेया लभं मायिथान

४ सर्वलोकसहिष्यानः ४

॥ डि भाद्रपद काल ॥ म

आ स्वादिमानिद्वयः । य

मयूजनिवकस्यस्यस्य

सहस्रं यथा नृधनं गाय

यश्च न विनमो विनमो

॥ धृष्टकेतुः ॥

वर्णनार्थं विवक्षितं

॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

॥ नमो ॥ ७ ॥ स्वस्ति ॥
॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

संगीतिदिक्काजिक
नाम ॥ १२३४५६७८९०

स्य ना ॥ वनरुक्ता ॥ डि
मन्त्राणां विना

शिवदत्तसिंहः

॥ कृष्ण ॥ ॐ हृदय शक्ति

दिनांश ॥ डाख्खा

ॐ यातासशीदुर्वाता

गायत्र्यं सुविद्युर्नयना
मना नृवत्सु नामानि न
मंभमनि सय व ॥ ॥
नृयले ॥ डं दिनधन
५४ ॥ ॥ गृह ॥ डं गृह
कृष्णि ॥ १० ॥
भाकयालि ॥ डं गंगा
ममिदनि ॥ १० ॥
यजन्तीकयालि ॥ डं ग
मनात्वा ॥ १० ॥
यजवक्त्र ॥ डं सञ्ज
भायाममीनि ॥ १० ॥
अथ नृनामा ॥ डं वाक्
नासदिनव ॥ ८ ॥
डं वय १ सोमवर्ग ॥ ३

दधिकात्रानि ॥ डं या ४
छलिनी ॥ अकन ॥ डं या
द्यायस्वा ॥ ॥ वज्र
॥ डं गलीश्यागयानि ॥
वलि ॥ डं नभावेत्तु
य ॥ ॥ गमस ॥ डं गाय
॥ मो४ युग्मि ॥ कामावीथा
॥ डं यगवा ॥ १० ॥
॥ गमजलि ॥ १० ॥ डं नम ४
नृवायव ॥ नानय ॥
डं नभासुसथ्य ॥
यदयदली ॥ डं गृह
अकावदहनसूमना
नवा ॥ य ॥ यदसदय
जिब १ दस ॥ डं य ॥ य
दवयमाययसायद
दसामि ४ ॥ यवा ॥ यदवीद

ॐ स्वस्ति नमः ॥

॥ ॐ महाप्रभुसंन्यासी
भक्तानुक्तं कुना विधा
विधा विवाजनि ॥ ४ ॥
ॐ निर्मयाथी ॥ ॐ आथा
दधीमथमतीवटुलान
नमो नमो मधुपूष ६ सु
नता उला क। नमो नम
काज नय सुयत्री मात
वयूगी विहगा प्रान ॥
ॐ कावथी ॥ ॐ समुद्रा
दुर्मि मधुमा ३ उदा नद
या ६ सुनीम सुतना मान
ट। च नय नाम उज्जयि
किजि दाना म सुगस्य
नारि ४ ॥ ॥ ॐ श्री
ॐ ॥ ॐ नदी च ६ यी जि
६ म्हा वि का लो ने या द

युवयथा द्या य इमं द
गन्धर्वसि भय वा न्य
युज्य ४ उ नम ९ सर्व
वने ल्य ४ य नि य द म ह
य ४ की न व मि ज गा यो
प्रहग वी वि म य थ्या वि
दन क नी न जा उ वा न थ्या
क ४ की न के नि न ॥
ॐ १ ७ ४ ॥ ॐ समुद्र
वा नम ना अ न न न
व का री ६ ५ अ न ड य
न। नमी य वा न ज मि न
मि वा ६ सम य अ य म
दि वा अ व द न ॥
ॐ आथा अ सो न मान न
४ ७ ५ अ नु य नि न मा य

निवाय ॥ ॐ निवाय वि
श्वरूपाय निर्वृत्तमाय
निरुद्ध ॥ ॐ नमो नमो नमो
य निर्वृत्तमाय नमो ॥ ॐ नमो
॥ ॐ नमो निर्वृत्तमाय ॥ ॐ
कामलाय नमो ॥ ॐ नमो
वशाय नमो ॥ ॐ नमो
वशाय नमो ॥ ॐ नमो ॥
सुदुर्गा ॥ ॐ नमो कामाव
निर्वाय ॥ ॥ नमो ॥
ॐ विष्णु नमो ॥ ॥
वलि ॥ ॐ निर्वृत्तमाय
॥ ॥ नमो ॥ ॐ नमो
नमो नमो नमो ॥ ॥
कोमावीया ॥ ॐ कामावी
मयावायु ॥ ॥ ॥
मयावलि ॥ ॐ नमो

निर्वृत्तमाय सर्वमाय
लोसिने ॥ सर्वदहय वि
श्वरूपाय नमो ॥
॥ ॐ नमो ॥
श्रीलक्ष्मी ॥ ॐ नमो
कामावीया श्रीलक्ष्मी
देवता ॥ ॐ नमो
॥ ॐ नमो ॥ ॐ नमो
नमो ॥ ॥ नमो ॥
ॐ नमो नमो नमो
वासुकी नमो नमो
कामावीया नमो नमो
नमो नमो नमो ॥ ॐ नमो
वाल नमो नमो नमो
नमो नमो नमो ॥ ॐ नमो
नमो नमो नमो नमो

नमः ॥ ॐ नमो भगवते
 चमकसमकथं सद्गुरु
 वादादसिमा नूवादेव
 । सद्गुरुनामो यूनवाय
 मसहस्रकथादि युग
 धाविष्णो नमः ॥ यजु
 मानस्य अथ जलान्
 यजलया यजलप
 निधाना गमपुलादिन
 कलशा च न भूय गये
 युवा धृयदीय जू च न
 विधुः गन्तव्यं विधिच
 पुष्टमस्तु ॥ ॐ निना गम
 पुलादिद्वयो च न विधिः
 नमः ॥ ॐ यदा साधनं ॥
 दानि (गयुका राज ना वि

॥ अमुकस्य दणं ॥ ॐ
 वः अमुकस्य दणं ॥ ॐ यो
 नथा (गव वसुन वा अ
 वाजि ह म ह । सखा यः
 ॐ रुद्र मृग य ॥ यु माली
 रुतं ॥ २ ॥ ॐ वा विवृष्ट
 वेष्टु यो सा विदुर्वः य न
 वः उत नो त्व विदुः य
 विदुः य मृग्य न मिमिः ॥
 वा विदुः कुद न ॥ ॐ वि
 आ व वा ट म सि विष्णु ॥ ॐ
 कुस्तु विष्णु ॥ ॐ न सि वि
 आ दु वा मि वेष्टु व म सि
 विष्णु वः ॥ य विदुः वः
 मं ॥ ॥ य विदुः वः
 उ नि धा य ॥ ॥ ॐ वि

[illegible]

उदकन१

[illegible]

वयस्यस्येयदा शुद्धा ४५ वा
जन्मनिदम्बुसुद्धं धामि ॥
सर्वस्येयवीकमर्णसुसुद्धं
प्रयागदीपानिपुणीगयाम्
धुनिधाय ॥ इव सु
लाववृत्ताली अत्युद्धं
॥ उदयस्येयदा सविदुद्धं
सवधिशिवावाद्रुद्धं युद्धं
रुद्धाया ॥ उदयस्य
रुद्धं नद्धं ४५ यदा ॥ अन्त
नथा निरुद्धं नद्धं नद्धं
का ॥ सुनागय ४॥ अन्त
॥ उदयस्येयदा सविदुद्धं
यत्नकिदाजिनद्धावा ४
धुनिधाय ॥ समुद्धं
॥ उदयस्येयदा सविदुद्धं
वद्धाया ४ अन्त
हि ॥ रुद्धं नद्धं सिकनीन

कद्धं नद्धं अन्त
दद्धं ॥ इव सु
धाय ॥ नन्त
साधनं ॥ उदयस्येयदा
लनिधाय ॥ उदयस्येयदा
आयनम ४ ॥ उदयस्येयदा
यद्धं ॥ उदयस्येयदा
न ॥ उदयस्येयदा
ट ॥ उदयस्येयदा
न ॥ उदयस्येयदा
स ४ ॥ उदयस्येयदा
धाय ॥ उदयस्येयदा
वाजाय ४ नम ४ ॥ उदयस्येयदा
वद्धं नद्धं ४ अन्त
नम ४ ॥ सुलम
नम ४ ॥ सुलम
नम ४ ॥ सुलम
नम ४ ॥ सुलम

मो ग्रीष्मा मा न्या न्नाशु च
म्या कामि ॥ अग्नि शो कर्ण
॥ उं हृत् स्था रव भक्ष्य प्रथ
त्वा शर स्था कामि धदि व
मि वरु धि खो रा स म्या दा
मि । वरु धि व मि श्रु रा ह्वा
शर स्था कामि ॥ न च पा
कर्ण ॥ उं न्ना द व प मि
सू न स च ४ पु धा दि जा ग
४ स स म ग र्ज न । स प व ज
ग ४ स ज नि रु मा प र्थ ज
ना ना म मि स च ना मूर्ध
अग्नि कृत् उ रि य द दि प द
र्य ॥ उं न्ना दि यो शु न्द न म
सि धि न्ना यो यो मु मु द
स त्वा सु ना मि । स्वा स सु श्रु
ध र्य ॥ उं हृत् य न थ स्वा दा

॥ उं हृत् व न य न थ स्वा दा ॥
उं हृत् ना न थि न थ स्वा दा ॥
ल वी द कं य ली त नि धा
य स या वि य श्रु श्रु र व न्म
अग्नि था य ॥ १११

गो ख श्र वा द दि य य ड क
न श्र वा द न्म ॥ उं वि श्रु य
न म ४ ॥ उं ल वी न म ४ ॥
उ य य म न व न मा दा य ॥
उं धु न रि धु व धु व न्म धु व
था स्मा धु व नि ग धु व य न्म
य धु व मि ४ ॥ ॥ नू प दि
ग डि यो मा ल र्ज न ॥ ॥

उं वी द द या य ग र्जो याना
न स्वा दा ॥ उं न्ना द दि यो
य धी ना नि कृ व न्म न्म न्म
। ग धा मि यो य र्ज न म्या य

नामक कर्ण ॥ ॐ वरुणा
गवाकाय स्वाहा ॥ ॐ वा
लाय स्वाहा वाताय स्वाहा
शानाय स्वाहा वरुणाय स्वाहा
प्राणाय स्वाहा वायुय स्वाहा
मनस स्वाहा ॥ ॐ वा
भरुणाय स्वाहा निक्षुमनाय
स्वाहा ॥ ॐ यक्षा यक्षाया
प्रथमिनाय स्वाहा वरुणाय
वययमृगजागवदसीवि
यमिपुत्राय स्वाहा ॥
ॐ वैकुण्ठाय स्वाहा
योगनाय स्वाहा ॥ ॐ या
दालिनीयाय स्वाहा ॥
यूषायाय स्वाहा ॥
दस्यगिष्युनाय स्वाहा ॥
स्वयं दस्युनाय स्वाहा ॥
निखाय स्वाहा ॥
नादय नमावेत्युक्ते

४। वयसाय स्वाहा ॥
आदहिदिवयय स्वाहा
दा ॥ ॐ वाणिजस्य स्वाहा
कवलाय स्वाहा ॥ ॐ सुधा
नीदियाय स्वाहा ॥
धाननसृगय स्वाहा ॥
कवि १ समाजमगिष्युनाय
नानामासनाय स्वाहा ॥
धवा स्वाहा ॥ ॐ वरुण
माय स्वाहा ॥
दा ॥ ॐ वरुणाय स्वाहा ॥
यामदवाय स्वाहा ॥
यजया १ स्वाहा ॥
१ ससुनृतिष्युनाय स्वाहा ॥
दिगिष्युनाय स्वाहा ॥
ॐ वरुणाय स्वाहा ॥
ॐ वरुणाय स्वाहा ॥
ॐ वरुणाय स्वाहा ॥
नस्यगिष्युनाय स्वाहा ॥

१॥ अ॥ न॥ वे॥ लो॥ न॥ म॥ द॥
 यम वे गो॥ त्वा॥ न्या॥ वो॥ पृ॥ धि॥ वो॥
 २॥ अ॥ व॥ त्व॥ आ॥ वा॥ पृ॥ धि॥ वो॥
 स॥ वृ॥ द॥ य॥ न्या॥ ३॥ अ॥ व॥ य॥ म॥
 स॥ वि॥ वा॥ नृ॥ त्वा॥ न्या॥ स॥ ४॥ अ॥ नि॥
 वा॥ ति॥ त्वा॥ न्या॥ ॥ अ॥ वे॥ न॥ च॥
 म॥ ड॥ वा॥ न्या॥ व॥ ॥ ५॥ नि॥ मि॥ न्या॥
 न्या॥ ॥ ॥ न॥ न॥ श्र॥ द॥ ह॥ मी॥ ॥
 ६॥ अ॥ न॥ त्वा॥ न्या॥ ॥ ७॥ द॥ म॥ ॥ न॥
 ८॥ शो॥ मा॥ य॥ त्वा॥ न्या॥ ॥ ९॥ द॥ म॥
 मा॥ य॥ ॥ १०॥ अ॥ नि॥ वा॥ मा॥ य॥ त्वा॥
 न्या॥ ॥ ११॥ द॥ म॥ नि॥ वा॥ मा॥ य॥
 ॥ १२॥ अ॥ न॥ जि॥ दा॥ मि॥ स॥ द॥
 व॥ य॥ ॥ धा॥ म॥ म॥ म॥ म॥ त॥ व॥ य॥
 य॥ य॥ न॥ म॥ त्वा॥ न्या॥ ॥ ॥

जि॥ दा॥ क॥ ल्य॥ मा॥ ॥ १३॥ स॥ य॥
 सा॥ ग॥ वा॥ य॥ जि॥ दा॥ य॥ त्वा॥ न्या॥
 ॥ १४॥ अ॥ न॥ जि॥ दा॥ मि॥ स॥ द॥

द॥ व॥ य॥ ॥ धा॥ म॥ म॥ म॥ म॥ त॥ व॥ य॥
 य॥ य॥ न॥ म॥ त्वा॥ न्या॥ ॥ ॥ १५॥ त्व॥
 न्या॥ ॥ १६॥ अ॥ न॥ व॥ नृ॥ त्वा॥ न्या॥ वि॥ दा॥
 द॥ व॥ य॥ न्या॥ ॥ १७॥ अ॥ व॥ य॥ म॥
 मी॥ ॥ १८॥ य॥ जि॥ दा॥ व॥ जि॥ म॥ म॥
 स॥ य॥ ना॥ वि॥ वा॥ न्या॥ ॥ १९॥ नि॥
 व॥ म॥ द॥ य॥ त्वा॥ न्या॥ ॥ २०॥ स॥ द॥
 ना॥ न्या॥ ॥ न॥ व॥ म॥ म॥ म॥ म॥ त॥ व॥ य॥
 ॥ २१॥ अ॥ य॥ म॥ म॥ म॥ म॥ त॥ व॥ य॥
 व॥ य॥ न्या॥ ॥ २२॥ व॥ नृ॥ त्वा॥ न्या॥
 वी॥ हि॥ म॥ मी॥ क॥ ॥ स॥ द॥ य॥ न्या॥
 मि॥ त्वा॥ न्या॥ ॥ २३॥ अ॥ य॥ य॥ शो॥ न॥
 य॥ न॥ नि॥ वा॥ मि॥ य॥ य॥ म॥ त्वा॥
 मि॥ त्व॥ म॥ य॥ ॥ अ॥ नि॥ ॥ अ॥ य॥ म॥
 य॥ न॥ व॥ दा॥ य॥ य॥ म॥ ॥ धा॥ हि॥
 म॥ य॥ ज॥ ॥ त्वा॥ न्या॥ ॥ २४॥ य॥ न॥ म॥
 म॥ व॥ नृ॥ त्वा॥ न्या॥ स॥ य॥ य॥ जि॥ दा॥
 य॥ य॥ वि॥ न॥ म॥ म॥ दा॥ न॥ ॥ २५॥

निर्मा १ अय सावित्रि विष्णो वि
१५ मे १५ सु मयुग ८ सु कालि
खाजा ॥ १५ अय नाना विष्णो
मय सस्त्र दया धम विष्णो
म १५ अय मय ॥ अथ ययमा
दि नयुग नवाना नयमा ॥
दि नययसा मस्त्रो ॥
१५ निजि का कल्य ना ॥

मय १५ अय नय दाम ॥ १५ १५
नायगी १५ नमगा दि नय
१५ सुय वशिनी मय नय द
सा ॥ अथ नाना विष्णो
मय नय द १५ अथ विष्णो
निगो मय सुय १५ सा ॥ १५
१५ दविष्णो विष्णो मय १५
निद १५ अय १५ मय दमय
या १५ मय सा ॥ १५ मय
सा १५ मय मय मान १५

या विमला नाय माभा १५
१५ १५ १५ विष्णो माभा वीना
नय द १५ विभा वधी विष्णो
न १५ सुय मय सा १५ वास १५
सा १५ १५ नय १५ द वदि
नय व मय सुय मय द १५
य १५ मय १५ नय १५ नय १५
१५ नय नय १५ नय १५ नय १५
याम नय व द १५ नय नय व
याम नय व द १५ नय व द १५ नय
मय नय १५ नय मय व द १५
नय नय य १५ नय नय १५
नाय द १५ १५ विष्णो य १५
नाय द १५ नय नय १५ नय
मय नय व नय सा १५ नय
नय सा १५ नय विष्णो १५
नय द १५ नय १५ नय

४ सक धाम विद्यानि । सक
हाथा ४ सक धावा यजानि ।
सक धात्री मायु लख युग
न खाटा ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥
वृद्ध विधि ४ ॥

गगनिला इति ॥ नृप नृवी
दिवाय अयुक्त ॥ ४३ ॥
नृकाय नमः ॥ ४४ ॥ ४५ ॥
वासविदुः ४ य मय विभावा
दुःखि का रुहा ॥ ४६ ॥
४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥
५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥
५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥
५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥
६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥
६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥
७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥
७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥
८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥
८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥
९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥
९९ ॥ १०० ॥

७३ का
काल १ अक्षयतुल्य १

लेयुय नृप यमा कर्मालि
॥ १०१ ॥ १०२ ॥ १०३ ॥ १०४ ॥
१०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥
१०९ ॥ ११० ॥ १११ ॥ ११२ ॥
११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥
११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥
१२१ ॥ १२२ ॥ १२३ ॥ १२४ ॥
१२५ ॥ १२६ ॥ १२७ ॥ १२८ ॥
१२९ ॥ १३० ॥ १३१ ॥ १३२ ॥
१३३ ॥ १३४ ॥ १३५ ॥ १३६ ॥
१३७ ॥ १३८ ॥ १३९ ॥ १४० ॥
१४१ ॥ १४२ ॥ १४३ ॥ १४४ ॥
१४५ ॥ १४६ ॥ १४७ ॥ १४८ ॥
१४९ ॥ १५० ॥ १५१ ॥ १५२ ॥
१५३ ॥ १५४ ॥ १५५ ॥ १५६ ॥
१५७ ॥ १५८ ॥ १५९ ॥ १६० ॥
१६१ ॥ १६२ ॥ १६३ ॥ १६४ ॥
१६५ ॥ १६६ ॥ १६७ ॥ १६८ ॥
१६९ ॥ १७० ॥ १७१ ॥ १७२ ॥
१७३ ॥ १७४ ॥ १७५ ॥ १७६ ॥
१७७ ॥ १७८ ॥ १७९ ॥ १८० ॥
१८१ ॥ १८२ ॥ १८३ ॥ १८४ ॥
१८५ ॥ १८६ ॥ १८७ ॥ १८८ ॥
१८९ ॥ १९० ॥ १९१ ॥ १९२ ॥
१९३ ॥ १९४ ॥ १९५ ॥ १९६ ॥
१९७ ॥ १९८ ॥ १९९ ॥ २०० ॥

अजमा भन मूलायाय पु
जन ॥ रुसाद्य दत्तात्रय न
यज्ञाय विन अर्चन का बोधि
दत्ता ॥ वीहिय स मय्य
न बोधि ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥
४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥
५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥
५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥
५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥
६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥
६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥
७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥
७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥
७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥
८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥
८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥
९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥
९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥
९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

३ अक्षयतुल्य १ अक्षयतुल्य १

नमो धर्मज्ञानं कृत्वा यथा क
 र्माणि चक्रिणः सन् ॥ यत्कर्म
 पुण्या कर्म वा शीघ्रं वा दत्तं
 न न स्यात् ॥ कृयादिशुभं स्यात्
 एवमपुनर्न चक्रिणः विना
 मया यदर्थं लीनिधाय ॥
 यत् ४ का (१) अष्टादिकल
 न्निष्ठाया ॥ वाङ्मन ॥ ॐ
 अथ यदि ॥ यजमानः स्या यथा
 जलाग्रज जलयागः अम
 कर्म निष्ठिनिष्ठः स्या न कल
 शाश्च न वाङ्मन ॥ ॐ न
 नमस्तुते ॥ यो साद्यया
 पूजा आत्मपूजा ॥
 नमो यालेखदानं ॥ ॐ न
 नानात्वा ॥ ॐ नमावपुन
 य ॥ ॐ नमस्तुते वावा
 ॥ ॐ विष्णवे नमस्तुते ॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ धृष्टके
यजावकाय ॥ ॐ धृष्टके
७४ यद्यिमे गन्तव्ये दिव्यं
त्रिगुणं ॥ ॐ गन्तव्यं
गन्तव्यं ॥ ॐ गन्तव्यं
य ॥ ॐ गन्तव्यं
साहि गन्तव्यं
निर्गन्तव्यं
दिगन्तव्यं ॥ ॐ
दि ॥ ॐ गन्तव्यं
वाहि गन्तव्यं ॥ ॐ
गन्तव्यं ॥

मभायूचादि कलशाधर्षनी
॥ अथ यन्त्रादी ॥ उं वः जम्बु
अट् । ॥ लोकपालस्यै
वृष्ट्या ॥ उं पुं नूं तूं मूं हूं
चूं लूं खूं नूं सूं ॥
वृष्ट्या ॥ उं वः दा वः स मुदा

१० मदनसागर दय कौइ मदन कौइ मदनसा
वह श्रीगुरु ते. स्तान उषधी रूखादि विवि

॥ गाय ४ दयके सुहुदि नसने ॥ गाय ४ सलिमला
ध्याय २ सवायाडा पूरनी ॥ ११

त्याथिवस नज मिधुओ नरु
न४॥ॐ मधुमा ग्रावनेन स्यामि
मधुमां ३॥ मूह्युय ४॥
माधी ग्रावित कवच न४॥
ॐ गिता नामा ॥ १ ॥
॥ गीता नवीदि ॥ ॐ वी नि
नसखाहा ॥ ॐ वी लय्ये थ
भ ॥ ८ ॥ ॥ कृष्णदक ॥
ॐ वृ निस्वायेव वट ॥ ॐ द
वस्यत्वा ॥ ॥ १॥ नेष्टी न
दक ॥ ॐ थ कवचाय ह
॥ ॐ भाका नामि लुप मि
स्रव ॥ ॐ वृ वा यमा ना वृ
अरु स्रवायाट ॥ अकि न
ययसास नस्येती नोदयी
सावनी वि गृह मूर्ति ४ ॥
सधदि क ॥ ॐ वी नगाय
॥ ॐ आया दिष्ट नि ॥

आवधी ॥ ॐ व४ असाय
रुट ॥ ॐ आ आवधी वृ
वाजिगा दवया कि य
न वृवा ॥ मज नू वरु ना
मह ४ गत धा मा नि सय
व ॥ ॥ तस्म ॥ गाय
यी ॥ ॐ वृ व नू लाय विद्य
ह स ह स ड नि न धी मही
। ग नाना गय आ द या
त ॥ ॥ ॥ जलयाय
ॐ वी नि व स खोहा ॥ ॐ
इयदा दि व मू मू या न४॥
विष्टु ॥ ॐ व४ असा
रुट ॥ ॐ आ मिष्ट निन्द ४
॥ ॐ गे न्या दि ॥ ध्रुवेदाप ॥
॥ निस्त्रान कल ॥ आव
धी यृजा विधि ४ ॥ ॥

१ दवदन साधवसदसदत सा कूपयपलीप
सनली उपिस्त (धनू वाव निमिक्तनादि आय १

ममा यजमान न नद चानिम
कन ॥ डं व दारुण वल
॥ वलि ॥ डं मू धावायनि
॥ दीय ॥ डं मू धावायनि ॥ अ
निष्ठा हनका ॥ सुमि वा
वन ॥ मग दगा उवात
दुलानदाय ॥ ॥ धादि
गन निमिनवाय ॥ सा
वाय ॥ डं का धाका अ
न ॥ कालन ॥ डं दी धा
अन्ना ॥ धकन ॥ मृदि
हिमिकमण ॥ रुनिनला
वभाहन ॥ ^{एताने पुन काल व}
^{केन मथकाडा}

गग ४ पूषादिकल गाद
कं नीश्व नरुव वाधुल
दवमनानकायथ ॥
यजमान न मूलावाय

२ दवा धेदपे (समान २
२ वाक्ता ननसैक लै कृया ० ॥ ३

दायथ ॥ ॥ आवाथानाम
कृया ॥ यथमं पुर्वकल
नान ॥ ^{निके क} डं मू धादि ॥
डं ममदा इमि मथना उड
दाव द्या रं ननाम मृगव
नामानद ॥ दृग सानाम उ
अथदासि जि का दवाना
ममगस्य नाति ४ ॥ मृकि
का ॥ डं वादि दयाय नम ४
॥ डं मू धाका के वथका
कं विमू का कं वसू ध
कं ड डुल्य सि वगवाह
नह अन्न गत वा दना
मृकि कव द दयाय का
अना निमदिना ॥ मृकि
करु नम वाय ऊ नम या
इष्टु न कृग ॥ त्वया रुग
वाय न सर्वयाथ ४ वम

१४ यजमानसीति ममूक दवस्तानमहं कनि
दववा कृपादि एवादि के वावा म्ना न

८ ॥ कल्याणकाल (गणपति)

नीलमन्दक ॥ डं वं यं न
 यः स वं स गाम वि य नि
 स आ ग सः । स व स नी नि य
 अधा सा दी नी रु व ना वि न
 ॥ ॥ समूहादक ॥ डं मे
 मूढं अष्टा स निल स्य म ध्व
 ना पु नाना य व न वि धा ।
 रू द्वा या व जी वृ थ शान
 ला ट आ था द वा वि द मा
 व द व ॥ ॥ दं यी लं र व
 ॥ डं अ श्वि द्वा य ष न ग ज
 म व द्र व द्र मा या ति वि
 अ मि स व स र्थ र्थ य ष
 न वी या या ना षा या ति वि
 अ मी व षा दे य ण व ला
 या यि ये य ण स ति वि अ म
 मि ॥ ॥ दू था द क ॥

ॐ अथास्मन्मानानवशुं
 धयवुद्युमेननायुयव
 यूनवु। विधुहिविधुं
 वरुवुधविहुरुददमवि
 दथसुवीवा॥ ॥
 द्वाथालीख॥ ॐ हसकन
 फुदनादवायवमवुगु
 शुगा। दधनसकवली॥
 सखाहिविविदुदथाद
 धु॥ ॥ नदीसंगभाद
 क॥ ॐ सितासिनसनि
 भयसंगभनगाशुगा
 दिवसुत्यानकि। यवेन
 वेविहउगवेनासासु
 सुगन्धरुजुन॥ ॥
 वयालीख॥ ॐ स्वस्तिन
 शुभेष्टाष्टदः प्रवाः स्वस्ति

४ वृथा विप्रयथा ४ सासि
नको विप्रयथा विप्रयथा
४ सासि ना वृहस्पतिदया
७ ॥ ॥ दहर्लख ॥ ७
नदी ४ यो विप्रयथा
काया नेवा दयवृथया
द्याय इमदि । न यथा
नया वा नय पय ४
मन ४ सर्वदय ४
४ यनियदमह ४
मिऊ नाया ४ किनव
नियथा विप्रयथा
जायुधान ४ कथक
काजीन ॥ ॥ नीनाद
क ॥ ७ ॥ ममन ४
मन सवृगी ४
मसयगाय ४
आमवृह ४ विन

[illegible]

क ॥ ॐ ऐं ह्रीं म म म न ह्रीं य
मूज स व स व गी सु व द सु
म स य न ग य व क्का ज्ञ सि
श्या म व ह (ध वि न स्त

अथ कथं च मृत्प्राप्तं स्वाद्य
 यो ॥ ॥ अथ मृत्प्राप्तं स्वाद्य
 क ॥ ॐ वै निवय स्वाद्य ॥
 ॐ साका नामिदं यजिष्णु
 लक्ष्म्याद्याद्यायमात्राव
 रुद्राद्याद्याद्यायमात्राव
 यसायनवर्गो वादवीर्य
 नगाविधनकर्मि ॥ ॥
 निमलजल ॥ ॐ स्वस्ति न
 मस्तुते ॥ ॥ अथ मृत्प्राप्तं स्वाद्य
 क ॥ ॐ वै निवय स्वाद्य ॥
 ॐ हिमवत्प्राप्तं स्वाद्य ॥ ॐ
 वर्कमा ॥ अथ मृत्प्राप्तं स्वाद्य
 यानिभयक आसीत् ॥ स
 दाक्षारुद्राद्याद्यायमात्राव
 माकर्म्यदवायद्रविव्या
 विधेम ॥ ॥ हिमवत्प्राप्तं स्वाद्य
 यक ॥ ॐ वै निवय स्वाद्य ॥

क ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ साक्षात्कामिने देवगिष्णु
 लक्ष्म्याह्वयायमात्राव
 रुद्रावाह ॥ अष्टिन्नय
 यस्यासन्नस्येनीनादवीर
 न्माविधनकृति ॥ ५

निर्मलजल ॥ उं स्वस्ति न
ॐ नमो ॥ ॥ वंद्योद

कं ॥ ॐ वृं लिखाय ध्याय
 ८ ॥ ॐ हिव प्य नद ४ सम
 वक्रता ॥ ॐ न स्या ज्ञान
 यानि भयं क मा सीद ॥ स
 दा धा नृ पृथिवी ओम न
 मा क स्य द वाय रु विद्या
 विधम ॥ ॐ ॥ हिव प्य
 यक ॥ ॐ वं भयाय नम

४ ॥ उं हिव वा व पुं ह वि ला
 सु व पुं व ज न सु ग ॥ व द्या हि
 वे म ये ल ग्नी का न व थाम
 मा व रु ॥ ना उं ॥ अ व रु जा न
 व थाल ग्नी म न स ना मि ता
 ॥ न ॥ य ॥ द क ॥ उं व
 क व था य द ॥ उं न थ द
 ना धि वा ध य ॥ नि य य द
 का वि द ॥ १ ॥ १ ॥ ध व ॥ स व
 इ ता ना ना मि द्या य द य वि
 य ॥ ॥ क र्थ वा द क ॥
 उं आ था हि द्या म था रु व
 स्ना न उं उं द धा न न ॥ म र्द
 वे ला य व द य ॥ उं था व
 नि वा ग मा व स क स्य रा
 ऊ य ग रु न उं जा नी वि व मा
 न न ॥ उं न स मा अ न म मा
 म वा जा जि न व थ ॥ आ था य
 न य थ म व न ॥ ॥ क

का ला ज न ॥ उं इ य द्या दि
 व म म वा न वि न स ना म म
 ला दि व ॥ पु न य वि द ॥
 वा य मा य पु थ पु म न स
 ॥ ॥ क ॥ ॥ द क ॥ उं य
 वि थ स वि क्क यी स वि उ व
 व स व ॥ उ न ना न्य वि द
 ल य वि थ ॥ स य स्य न मि
 दि ॥ ॥ द ॥ द क ॥
 उं द व स्य वा स वि द ॥ य
 व थि ना वा द य ॥ य ॥
 रु का य ॥ ॥ न ॥
 मु नि का ॥ उं मा हि दू मा
 पु दा कू न म रु ॥ आ गा ना
 न वा थो हि ॥ पु न स्य कू ल्या
 उं य ॥ रु न स्य य थ ॥ अ
 न ॥ ॥ र ॥ ॥ न य
 ॥ उं पुं व व ॥ य वि न

उद ॥ अथाय रुद्र ॥ उंद
 निव वसुत्वा ॥ स्य गंद वत्त
 दमह ॥ उदय वत्तुम नू
 न सुगान वत्तुम नू
 यधिरुवा मत्ता ॥
 दवा ॥ वम गोवा य न अ
 द्याया दक ना ह्या द
 यित्वा ॥ गम्मा वा य न व
 लि ॥ यजमान न लो जा
 दय न ॥ ॥ वा द्य ॥
 नहृदि वा य ॥ ॥
 मृदं ग मृद्या दिमं गलं
 का वत्ता ॥ ॥ या य
 दत्ता ॥ नग वत्ता द्य दि
 वा द्य द्य लं वा य रु म पु
 वा य म य ॥ ॥ य रु
 न पु य न रु म य द्य वा ॥ य
 नि म रु ना य नि ह्या न

दा ॥ सुतु ग मी द्य ॥ ॥
 सुविद्धि न जल धा वा या द
 दि ग क म ग य रु म पु य
 द्य धा कि न रु द्य ॥ ॥ नि धा
 य ॥ ॥ न्या सा दि ग
 या किल गार्व न ॥ उंद
 म म वत्तु य धि ॥ ॥ द
 वत्तु ग य म स य न य
 क हा व ना या य ॥ ॥
 उं का धा का ल्य वा रु नि
 य रु व य रु व स्य नि ॥
 वा ना द्य द्य ग नू स रु
 य ल स ग न य ॥ ॥
 य य रु ग य य रु य ॥
 ग मा आ द्य नि ॥ उं वा नि
 व ग हा य स्या हा ॥ उं न
 म रु ग र वा य ॥ उं वा वि

१० दर्व तु धिहिनि म्रदिन कु न सौ पंचसुग
कोन दिहाडा उशमान उद न कोन उहागोया
मदमातयाडा विमला इमिदवयाम ॥ ३०

आग स्वाय स्वाहा ॥ ६६ ॥
दमिद्र ॥ ६७ ॥ आत्म
नराय स्वाहा ॥ ६८ ॥
यज्ञान ॥ ६९ ॥ निमिग
न ॥ ७० ॥ धन विधि ॥

नमादवदल किया मान
॥ ७१ ॥ ॥ यजमानय
मात्रा विमलिन ॥ ७२ ॥
मथेक कमल ॥ ७३ ॥
माय न स्वाहा ॥ ७४ ॥ यजमाना
॥ ७५ ॥ अस्वायद
दधानिकलनाय स्वा
हा ॥ ७६ ॥ अस्वायथा वसि
कयस्य नाति वसि ॥ मा
स्वादि ॥ सीमा मादि ॥
सी स्वाहा ॥ ७७ ॥ यमन स्वाय ॥
॥ ७८ ॥ कवचा यमन उम

ल्यनाय स्वाहा ॥ ७९ ॥ उं वसम
नम उनाय स्वावसवस्व
वृगास्वगावथ क न ल म
जसाह विनिस्व वथाद
धु स्वाहा ॥ ८० ॥ उं वाद दयाय
वोजस्य दानाय स्वाहा ॥
॥ ८१ ॥ अभा मूर्ध विजहा नि
धामि विमिस्वादि यम
नम जिलायुना वृगा उ
वृगाहा निजमना ॥ ८२ ॥
नम न्यामि विदियी विवान
॥ ८३ ॥ कस यमन वदत्ये
दि यमिदं युया मृगमि
धु ॥ ८४ ॥ उं वं कवचा
यवका क न लाय स्वा
हा ॥ ८५ ॥ उं वं विस्वास्त
वा न ॥ ८६ ॥ वादिष्ट पृथी नि

७ स्वाय म्रदिन सकल गा जगमा
तन कर्म यावक ॥ ८७ ॥

[illegible][illegible]

समजा क सोहा ॥ वृ (श्री) नना
 श्री कुंदन ॥ ॥ नमः श्री
 मशुल श्रद्धा ॥ ॥ ॐ श्री
 प्रजागाय पृदा स य ल्या
 पयजागानुदजा यद ४
 आधिनी कुहि मूमना ॥
 ह्य सु वर्यम समशीव
 नय उती खाहा ॥ ॥ नमो
 वील ६० वा श्री तुलि हव
 न ॥ ॥ नमो श्री मशुल
 मया किल (गता) रिथ कं
 कावथ ॥ ॥ ॐ श्री
 प्रसा न्नागव ॥ ॥ ॐ
 यन ॥ ॥ ॐ उक्ति वर्यम
 स्य गद वं वर्यम ॥ ॐ
 पय वर्यम वर्यम ४ सुमानव
 ६० वर्यम वर्यम वर्यम
 वा ॥ ॥ आच्छा यान ॥
 यवाला यावकं यदल

धिसमन ध्यायक ॥ वृ
 त ॥ ॥ ॐ श्री (नल) वर्यम
 विप्रथ वर्यम मशुल
 वसि विप्रथ वर्यम (थवा
 निथ मसि विप्रथ वर्यम
 ॥ ॥ नमो वर्यम साम मशुल
 विप्रथ वर्यम मशुल
 विप्रथ वर्यम खाहा ॥ ॐ श्री
 नसाला सधम मशुल
 जन ॥ ॥ ॐ श्री नयदा
 न ॥ ॥ ॐ समिदा श्री
 नकुट वर्यम मशुल
 वर्यम वर्यम वर्यम जिनेजा
 मथदा वर्यम वर्यम
 वर्यम मशुल वर्यम खाहा ॥
 ॐ श्री मशुल वर्यम मशुल
 खाहा ॥ ॐ श्री मशुल वर्यम
 ॥ ॐ श्री मशुल वर्यम

सुमनाय स्वाहा ॥ ॐ य ह
य ह्वावा ॥ प्रथमि वाद दस
प्रववमृगिजागवदस
विद्यमिगनस ॥ सिध
स्वाहा ॥ ॥ ॐ वीजिन
मेनामकनपाय स्वाहा ॥
ॐ वा पाय स्वाहा यानाय
स्वाहा यानाय नाय स्वाहा
वेदय स्वाहा ॥ प्रापाय स्वा
हा वाय स्वाहा सनस स्वाहा
॥ ॥ यथा ज्ञान नो गत्य
नामकनूग ॥ ॥ यम
वागन ॥ ॐ न जा सि ॥
ॐ वेंकव वाय हल पा न
नाय स्वाहा ॥ ॐ था ॥ ८
लिना ॥ ॥ ॐ ॥ सविटिन
दाहा व हल पा न नाया
वाय ॥ ॥ ॐ वां ह

दयाय अत्र वागनाय स्वा
हा ॥ ॐ अनवगनस्य ना
दस ॥ वक्रानददाहा अ
मवागनयायक ॥ ॐ वा
पाय स्वाहा निजयवय
सुधीवक वव ॥ ॥
ॐ व ४ अ वा य ह ह वृषा
कर पाय स्वाहा ॥ लिखा
वला वृषा कर ॥ ॥ वाक
हलिमग ॥ ॐ मृद्वनिदि
नाय वानिमृधिया वै था
नवमृग ॥ अजागमनिम
कवि ॥ संप्रजागमनिधि
नानामा सना वाय अ न
यकथ वा स्वाहा ॥ ॥ वाक ४ ॥
ॐ वृरुस्य गच्छ दिव सि
वाय ना माम न ह हि ।
गज साज ससामा न व

अथ या स य मा शुभं शास्त्रा
 ॥ ॥ ॐ व ४ अथ य ४
 समायक नाय सा ॥ ॐ
 अथ य ४ ॥ ॐ
 हृद या य वि वा हा य सा हा
 ॥ ॐ द वा ना य ली नि हा
 द वा ना य ली नि हा
 दे स पु ला ४ साम यी ग य ४
 हा ॥ अत्रि ला ह न का ॥
 म धु य क न ॥ ॐ य म धु ना
 म धु य क न म धु य म न्ना
 अ न ना ह म धु ना म धु य
 य व म न नु य न्ना य न य
 व मा म धु ना ना दा सा नी नि
 ॥ क ४ ॥ क न्ना दा न ॥ ॐ
 अ वा ला ह क न्ना ॥ ॐ अ
 दि ॥ य ज मा न स य थ अ
 ला श्र य ज ल यो य व न
 ले मू क थो वा वृ ण क न्ना दा
 न ॥ अ य म ४ स य द ॥

ॐ क न्ना दा त स्या दा त ॥
 य म व ४ य दा न ॥ ॐ व ४
 ४ य वि य म सि ॥ ॥ ग न वृ
 द का ह लि नी म मा व लु य
 ग न स्या दा य ॥ ॐ ४ म म व
 वृ ॥ ॥ ह लि नी क्का य
 ॥ ॐ य ना न मि ॥ ॥ ४
 म वृ द कान का र वा य क ॥
 ॐ स ह्वा नि स ह्वा य
 वा क स व ह न वे ना सामी
 ना ना र वा व य वा ची ना
 मू र्वा क्का ॥ ॥ मा स थ
 अ य य क ॥ ॐ अ व हि
 म न्ना म स्या न म स्या व न ४
 वि वा क य ॥ अ रि नि क वृ
 न्ना ना व वा थ स्र य न ना
 य न ४ ॥ ॥ अ रि नी
 न दा य ॥ ॐ न म ४ ग म्वा
 य ॥ ॥ दा मा न म य

कं ॥ उं न व वा य व रु ह स्य न
व रु ऊ मा ग न रु ज ध न
या पू स्या ह पी म ह ॥ ॥
भ वा व न द्वा डा व रु व न
॥ उं य मा य न न त्व द नि
॥ ॥ न जा इ नि ॥ उं व
म म द न न श्र य नि ॥ ॥
लू व न न न च कं ॥ उं हि
न य न न रु ॥ ॥ न्या य
र उि जा ह व न रु हा य क
व न नि ॥ ॥ उं म न य
नो त्रि हा व रु ध वा ना म
म ना व रु य । व रु न व रु सा
म यी ग य स्या ह ॥ ॥
व रु वा व न रु य ॥ सि द्ध व
या नु का व रु य ॥ ॥
स रु न रु य ॥ उं यो ॥ रु लि
नी ॥ रु नि ॥ उं न जा नि
॥ ॥ म रु ल जी व रु य ॥

उं व रु म य रु ट मा ना
वि रु वि रु र्ज ना ये स्या ह
॥ उं मा ग व रु म य वि वा रु
नी य म नि रु स्या ना व
ता व रु वा । मा नि रु द रु
म रु वि रु ॥ मा नि दान रु य
जा य नि वि रु थ क म म । वि रु
म रु स्या ह ॥ ॥ उं व
व रु थ स्या ह ॥ उं य व
कं य जा म ह नि ॥ ॥
उं व रु म य रु ट स म
रु क व रु य स्या ह ॥ ॥
उं व रु ह रु य रु य नि रु
न स रु व रु ह रु जा न रु
स म रु ग रु क रु स रु य रु जा न
॥ स रु नि रु मा य रु रु ज
ना म नि रु नि स रु य रु म रु
रु स्या ह ॥ ॥ उं व

विष्णुशायकाय स्वाहा
॥ ॐ दिव्यशक्त्युद्गताय
श्रुतामूर्त्याय स्वाहा ॥
तद्विष्णुसंस्थानम् । सम्प्राप्तुं
श्रीं नमो नमः समस्तभूतैः
यो नृमीज नयनद्वय
कस्मात् ॥ ॥ ॐ वृन्निव
थयनिष्ठाया स्वाहा ॥ ॐ
मन्त्राद्गतिर्ह्येतामात्र
शुद्धस्य नित्यं नमि म
कृतात्तु विद्वद्युक्ता
मिमन्दयात् । विष्णुदेवा
सः ॥ ॐ हमादयन्तामात्रं
यतिरु स्वाहा ॥
ॐ वीं हृदयाय स्वाहा ॥
ॐ ह्रीं ममभवत् प्रथी
रुवमश्नायमृजयः
न्नाममश्नायकस्वाहा

॥ ॐ वीं दशविंशति ॥
ययययका लि का य
ॐ निवेदयन्ता विष्णुविधिः
तन्नामदाय नवा मूलाया
श्रुत्वा यथायममन्त्रि नमः
पुष्पनमदा व न्या सायय
नृयुक्ता ॥ देवत्वं न लीया
मनः ॥ ॐ वीं दश
जीवन्ता सः ॥ देवः ॥
नृयुक्ता ॥ ॐ वीं दश
यः ॥ ॥ ॐ वीं दश
त्वाय नमः ॥ गिरिनि
ॐ वीं विद्या नत्वा य नमः
हृदय ॥ ॥ ॐ वीं दश
तत्वाय नमः ॥ नृयुक्ता
ॐ निवेदयन्ता विष्णुविधिः
ॐ वीं दश तत्वाय नमः

॥ देवताशास्त्रादिषु पंचार्थपात्रादकं नास्तु
(ॐ वीं ॥ १)

देवदत्तमाचरुर्विभक्तिस्तथादि सकर्ताथनमान
कृपादिनेसास्वल्पनैमाकेरीवेन्यामैत्यन्तरे

॥ निमसि ॥ ॥ ॐ वीं श्री
यगत्वाय नमः ॥ मुख्य ॥
ॐ वृं गजगत्वाय नमः ॥
ददथ ॥ ॥ ॐ वीं श्री
यगत्वाय नमः ॥ मोहि
म ॥ ॥ ॐ वीं श्रीका
गत्वाय नमः ॥ ॐ
॥ ॐ निर्ययगत्वाय नमः ॥

नमः ४ यः शुभं विष्णुं गतिं न
 साधय ॥ ३ ॥ अथ नमः ४ यः
 नमः ४ ॥ ३ ॥ अथ नमः ४ यः
 तथैव नमः ४ ॥ ३ ॥
 नमः ४ ॥ १ ॥ ३ ॥
 नमः ४ ॥ ३ ॥
 नमः ४ ॥ ३ ॥
 नमः ४ ॥ ३ ॥
 नमः ४ ॥ ३ ॥
 नमः ४ ॥ ३ ॥

मृच्छाधियगथयधुयगथ
 नमः॥ॐ सविशायसविशु
 सावस्वन्वावावात्वसावृय
 ४। वृद्धाविशुकिमिदुमाधिव
 हस्यानिनाविद्येताववृ(ग
 नोजसासासमवाज्ञाविज्ञ
 नाद'तासादवगयाय
 मृग४यसयानि॥३॥
 ॐ यगमानमृगथनन
 ४॥ॐ यगमानमृग्याधि
 यगथयययनमः॥ॐ
 धूनत्तादिग्या॥४॥ॐ
 वृज्जर्कमृगथनमः॥ॐ
 ज्जर्कमृग्याधियगथय
 दायनमः॥ॐ तमीगान
 ॥५॥ॐ ज्जलमृग्या
 नमः॥ॐ ज्जलमृग्याधि
 यगथयययनमः॥ॐ

म०॥ ॐ अजमानमृग्या
 धियगयउवायनम०॥ ॐ
 यूनह्यादित्या॥ ४ ॥ ॐ
 वृषभृष्टुर्कशानम०॥ ॐ
 अर्कमृग्याधियगय
 मृदायनम०॥ ॐ गुमीना
 नजगम॥ ५ ॥ ॐ जल
 मृग्याधियगयनम०॥ ॐ जल
 मृग्याधियगयनवायन
 म०॥ ॐ अग्निमृग्याधिय
 ग॥ ६ ॥ ॐ वृषभृष्टु
 र्कयनम०॥ ॐ वायुमृ
 ग्याधियगयश्रीगाना
 यनम०॥ ॐ नववायु ॥
 ७ ॥ ॐ वृषभृष्टुमृग्याधिय
 नम०॥ ॐ वृषभृष्टुमृग्याधिय
 गयमहादेवायनम०॥
 ॐ नमोवायुधिवज्राय

[illegible]

ॐ ४ सकली ह्यपुनः वय
नयदि स्याद्यदयदगोव
मनजीवयनिष्ठाविरया ॥
॥ उं कौं पुं सुमक ववुल
नागवाजस्योपायनिष्ठाव
वस्यवस्यविष्णुवृषाकृष्ण
४ सामाथवसिष्ठावृषीसिज
मिष्ठुश्वावापुनः ४ दयामय
वयुः ४ योपायस्योदवगाया
लयनिष्ठा ॥ १४ ॥ योपाय
१४ ॥ ॥ योपायनिष्ठा
नः ॥ वकाशिविष्ठायाको
हसिदनुलसभाजाधिवृ
होकेवा ॥ १४ ॥ योपायनिष्ठा
प्रमिद्वहवदुलमथयदि
नीययवापन ॥ विज्ञाया
सकवाली विनेयनलसि
मायीनवकावृषाया ॥ द
वीवालावृषवृषवृषवृष

तकमीयागलीदि ४ यमाग
॥ योपायनिष्ठावृषा ॥
ॐ कौं कौं कौं कौं कौं कौं
ॐ कौं कौं कौं कौं कौं कौं
योजीव ॐ कौं कौं कौं कौं
कोवाद्यनोनयन ॥ योपाय
लयोपाय ॐ कौं कौं कौं कौं
वृषावा ॥ १० ॥ योपाय
विष्ठावृषाविष्ठावृषाविष्ठा
नय ॥ ॥ योपाय ॥ नय ॥
कौं ॥ नासिका ॥ वृष ॥
नल ॥ नासिका ॥ योपाय
रविष्ठाकावय ॥
मूलमहलननवासरय
वाक्यननिनसिस्वावा
यकावय ॥ १० ॥ योपाय
सः ॥ योपाय ॥ योपाय
योपाय ॥ योपाय ॥ योपाय
योपाय ॥ योपाय ॥ योपाय

मृन्ममभुपादनि० ॥ लाजास
 हयुर्मा ॥ ५४ ॥ डि विन
 रुवविषमभाभुर्ववयाय
 वन। एधुहवसुखवदन्म
 ॥ प्रयुवायवाहन० साह

नमो विश्वकर्म पूजा याय
कननीमालकास्त्रिकास
नयोचकावेभ ॥ ॥ रुम
स पूजा ॥ कननीमाला ॥ ॐ
विश्वकर्म ॥ १०० दमासन
नमः ॥ यूस्यं २ ॥ रुकाचव
दनयक्षोयवीगयूस्य ॥
धन ॥ ॐ विरुज्यो नदरु
वेजदाधायीकजासन ॥
विश्वकर्मनिदापोयाः
ज्ञानमूडाकट्टयथक ॥ मृ
नमः नृणां यथास्त्रिभ ॥
ॐ नोवायुवः ४ व ॥ विश्वक
र्म ॥ १०० नमः ३ ॥ ३ ॥
मरु ॥ न पूजा याय ॥
॥ ॥ ॥ ॐ विश्वकर्म
विमनायादिदिहायाधा
गाविश्वीयाय नमोसह

१॥ स्मिन्महाबल दक्षिणवर्ग
कक्षीयिन्नादिपदरितेधाय

निरामयस्यविद्विषयनचाहा
थ ॥ अथनिधिनहो ॥ १३

क। मया विनिमयिषामप
क्रिययासकमीनयवच
कमाइ स्वाहा ॥ अङ्गुलि
॥ धूपदीपजयकार
॥ यनेस्य ॥ १० ॥
ॐ विश्वकर्म प्रमथुं य
लाभसुखिकावक ॥ यथा
युधकनाया ॥ विश्वकर्म
नमस्तुते ॥ अङ्गुलि ॥
दाक्षिणा सह आराधिकाय
॥ निविशमयिजने ॥

गमात्प्रवलासहिबलाव
॥ वाद्योदिधायमानहा
शने ॥ दद्यावाद्यं दद्वह
कर्ममीयजमानस्यीति
म ॥ वाक्प्रणनप्रवोनधिय
॥ यजमाननवृणानाथिय
॥ कर्ममीयानिसनस्यरु

विनयिष्य ॥ ॐ अथविन
वालाइकल्प ॥ ॐ अथा
दि ॥ यजमानस्य यथाज
लाभयजलया ॥ यनिमि
यथं ॥ यनेस्य ॥ विनोत
वच ॥ ॐ यनेमि ॥ यनेसर्व
रु ॥ ज्ञानाविज्ञानवृत्ति ॥
गयसिवायना ॥ ययु ॥
ययु ॥ यय ॥ लाकोना
युक्तवृत्ति ॥ विनोतव ॥
सुखासनी ॥ निर्यादित ॥
दायव ॥ ययु ॥ यनिवृत्ति
॥ ययु ॥ ययु ॥ ययु ॥
कामरुते ॥ ययु ॥ ययु ॥
गामि ॥ ययु ॥ ययु ॥
सर्वदागथा ॥ ययु ॥ ययु ॥
ययु ॥ ययु ॥ ययु ॥
ययु ॥ ययु ॥ ययु ॥

न घृष्मकादिभुलं धृज ॥
नाजोविजयमाध्रानि दी
घादिनिद्रयद्वं । विव
४याल्लयनं वृथा धनधा
नाय (गा) रिता ॥ यथाय
जायनं न सातिनं च
सुवर्द्धना ॥ प्रजिनायज
मानाय (ध्या) तयउसव
दा ॥ अस्वसवति क। रा
वा सयसकयसीरव
४ ॥ शिवातवज नमान
आवदाकादिभदिनी ।
वहमवानिधुदाथ गीत
लेखं मभाद्वं ॥ आवध
दयमूरयस्य मदिनीस
कसागवा ४। आवदाका
ननभावनात निष्ठादि
भासव ४ ॥

महाविद्या सर्वसदादलन
(९) । सर्वसंदृष्टमवाय ।
वल्लुखीनिवसंभुत ॥ वद
॥ ३ ॥ शिवातवविद्वज्ज
उद्भववाच्यं । यथुद्भवस
स्वदक्षम (प्र) ववायवाह
न ४ वाह ॥ ३ ॥ शिवातवमो
मयीह्यस्वमानि वमाया
वायुधिवा अरिशाचीमा
कविद्वं ॥ ३ ॥ आवगीयावा
युधिवा आवधमकसि-
धाविगस्तिव । आवद्वमि
द्वगपदं मूरजाष्टकाम्य
स्वगमयिष्टकाम्यद्वग
॥ ३ ॥ मयिष्टविद्विष्ट
मयिद्वद्वमयिष्टकाम्य
मयिष्टविद्विष्टकाम्यविद्व
जातिव्यासदवाहल

कं गायनमः ॥ ॐ कलि
 कायनमः ॥ ८ ॥ ॐ ध
 म्मायनमः ॥ ॐ क्का नायन
 मः ॥ ॐ ध्वे वाक्का नायनम
 ॥ ॐ अ ने श्वयायनमः ॥
 ॐ अधम्मयिनमः ॥ ॐ अ
 क्का नायनमः ॥ ॐ अवे वा
 क्का नायनमः ॥ ॐ मक वा
 स नायनमः ॥ ॐ ववूणा
 महभावाका या गह सका
 मडा धियः ॥ हिम दु ये न्य
 वधुति। सलिनन विरु।
 विमः ॥ वामरा। ॥ ॐ वि
 ददी। ॥ आम वे ॐ सुथो व
 नी। नाना नन विविना श्री
 दवसं ॥ अया लिन। ॥
 आम पूय्य नमः ॥ ॐ वू
 ववूणा ववूणा गह २ नमः

८॥ ॥ धूर्व ॥ ॐ ह्रीं मूं अ
 नकायनमः ॥ ॐ ह्रीं वों वा
 मूं अ नमः ॥ ॐ ह्रीं मूं ॥ ॐ ह्रीं
 टं ट दकायनमः ॥ ॐ ह्रीं
 ॥ ॐ ह्रीं कं कं कं टिकायन
 मः ॥ नमः ॥ ॐ ह्रीं यं
 यकायनमः ॥ ॐ ह्रीं मूं
 ॐ ह्रीं मूं महायकायनम
 ॥ ॐ ह्रीं मूं ॥ ॐ ह्रीं मूं
 लायनमः ॥ ॐ ह्रीं मूं
 लिकायनमः ॥ ॐ ह्रीं मूं
 ॥ ये ननादि वलिस इइने
 नमः ॥ यं ववा ववूणा पूजा ॥
 ॐ वूं नंदायनमः ॥ ॐ ह्रीं मूं
 ॥ ॐ वूं सं रुदायनमः ॥ न
 मः ॥ ॐ ह्रीं मूं जं जयायन
 मः ॥ ॐ ह्रीं मूं ॥ ॐ ह्रीं मूं
 यनमः ॥ ॐ ह्रीं मूं ॥ ॐ ह्रीं मूं

वृष्टुं पुनश्च नमः ॥ मथ ॥
आ नदीनां नाना ॥

गंगायाः कया लयुता ॥ उ
हलं च नदीनां नमः ॥ उ
वृष्टुं पुनश्च नमः ॥ उ
मथ माथ नमः ॥ उ
नेष्टयाथ नमः ॥ उ
वरुणाथ नमः ॥ उ
वायव्यं नमः ॥ उ
ववाय नमः ॥ उ
मानाथ नमः ॥ उ
अनकाय विप्रं नमः ॥
उष्टुं उष्टुं उष्टुं उष्टुं
मः ॥ अनिला कया ल ॥

उष्टुं मलिनानां हानाथ न
मः ॥ उष्टुं वरुणानां नमः
थानमः ॥ उष्टुं वरु
णकथ नमः ॥ उष्टुं

मूलमं च नदीनां नमः ॥
वृष्टुं पुनश्च नमः ॥

उष्टुं सर्वनां नमः ॥ गंगा नमः
ना नदीनां नमः ॥
वायव्यं नमः ॥
वृष्टुं पुनश्च नमः ॥
दिग्गजं नमः ॥
मथ वरुणं नमः ॥
उष्टुं वरुणं नमः ॥
वृष्टुं पुनश्च नमः ॥

उष्टुं सर्वनां नमः ॥
नमः ॥ उष्टुं सर्वनां नमः
थानमः ॥ उष्टुं सर्वनां नमः
थानमः ॥ उष्टुं सर्वनां नमः
नमः ॥ उष्टुं सर्वनां नमः

समूह ध्यानमः॥ ॐ सर्वधा
दाय ध्यानमः॥ ॐ सर्व
हृमि ध्यानमः॥ ॐ ध्यानमः
॥ ॐ खिसदुतायाव
युवाकवलिसर्तः॥ ॥
ॐ निवलि विधिः॥ ॥

अदनाकनधूयदीनरुल
नेवअनामूलपुथसर्व
यविपुष्यमयु॥ मयुष्य
जाय॥ अ१०८॥ यदुवास
नमपुलथायावखोन
दायायायावहाथआल
यध्यानमः॥ ॥

ॐ नमावगुलाय॥ ॐ नमा
ना॥ ॐ नमा॥ ॐ निवुयायानि
जगज्जय॥ अस्यादिसिद्धिदा
नाथ॥ नमस्तुवायुवधम
यसंयुजसदयकोवि

जयराका॥ ॐ लावात्मना
ना॥ ॐ नमाधनवात्मका॥ नि
पुननधन्वावुयागाम्यन
॥ ॐ नमाधनवात्मका॥ नि
वायनममिसावदु॥ स्व
विदमाहोवर्कसुदुह
वाकककजलं विविधना
दात्मकं॥ ना॥ ॐ नमा॥ ॐ नमा
युवाजलयागिना॥ नमा
नमोनमः॥ ॐ नमा॥ ॐ नमा
लाविगीर्थउवनननवर्थ
कंसागवंध्यालादिगि
वाककवजनेकवा॥ ॐ
नमा॥ ॐ नमा॥ ॐ नमा॥ ॐ नमा
ससकककावसकनसि
धुदनावाविसा॥ ॐ नमा
वृक्षवावृक्षरुगवानुना
नात्मके॥ ॐ नमा॥ ॐ नमा॥ ॥

नागवाणाकाकोनिम्यं ज
लवाओमहावलः। निम
ने। येन विरहागो नागवा
जायते नमः॥ ॥ ॥
कूकूमदुष्टिकावदान
काके किरीटमूकटाकुल
लालमान। नागवलीह
माविश्वयणवम्यमूर्तिः ना
माधिर्यववृणवाकमहन
मामि॥ वधुकेवधुविक
रामनकेनागवृयिनी। द
लायप्रमहानागं नमामि
वमदायिनी। दलाययवि
विश्वण, प्रामिना। गदुवृ
यिनी॥ अशुष्टदलाकिनी
नागं मलिवधुमूलाहि
नी। गदुका नामनागं अ
नमामिनागवृयिनी। अ
टसीयूयसंकागिधर

लकणानदिनः। विदुषा
किगदहानं० वृयकेका
दकनमः। किशुबहा
वदुमा० वकययय
वधुके। वधुष्टदलाहि
नदिहं वदनागनमा
महं॥ दूधुलीकनिह
कारं सर्वालीकावनीह
नी। वधुष्टदलाहिनीका
यं महावधुनमान्याहं
॥ ॥ विरयालमहानागं
मनर्षु० अशुष्टदला
मिसयवृयप्रमहाव
लयवाकम॥ कालिक
नागनामनागं अह
वधुविश्विकी। दलाय
प्रमहाकायं सूर्यय
नमान्याहं॥ ॥ ॥

कृत्वा ॥ ॥ द्वा मा वा पु ॥
 ॥ ध वा थ वृ पा मि वि री कु ल
 य मी ग वा क्ख पा या दि वृ
 मा ज्ञा या न व लो क ना थ र
 व न ॥ ध मि वि री पु न गी । न
 ध ग इ वि गी घ धो य स क
 ल स्मि ना दि क म्मा दि री न
 स्मि ना ग न मा सु का व ल म
 श्री पु ना त्म नी आ क र्म ॥
 न क र्म वृ धि या वा ला न न
 ना मी न वृ ल क ॥ १ ॥ द्वा मा ना
 ना ग थ म्मा नि दि न वा री
 य धी य ग ॥ ॥ त्वी ग नि
 स र्व इ ग ना ना सी कि न वृ ल
 ना व र । अ नु धा व ल
 ना ना द द्वा वृ य न म
 व ॥ अ नु धा दि ॥ ॥ ॥
 ना ग द वा र्ध न ॥

अ वा र्ध न द वा र्ध न व म
 ला इ ति का न य ॥ ॥ अ वा
 ति १०८ ॥ ॥ उ ॥ ॥ ॥
 य म्म न स व री सु वृ द्वा
 मं स य ना य वृ ल्ला श्री स
 ध्या म वृ ह ध वि न मा या
 जी की क ॥ ॥ ॥ ॥
 या वा दा ॥ ॥ ध न ध
 न दा व जि का जा य न म
 र्वा इ ति वि य ॥ ॥ ध न ध
 न दा व य वृ ल्ला य वि दा
 व ध नि धा या य ॥ ॥ ॥
 हा ल ॥ ॥ ॥ ॥
 री ति ना ग द व वा नि धा
 वि धि ॥

त मा य ज मा न न द द द्या
 ए म पु ल द्वा व द्वा

लिया दाव सुगुया य प्र
व व ॥ ॥ ॐ नमो व
रुणा य ॥ ॐ नमो ना ॥ १२
ना य नि बुया य नि ॥ १
कथ ॥ अष्टादि सिद्धि दा
ना य नम सु वा य व धु म
॥ य स य उ म ह धु म वि
जय न का व धु म वा ल म न
ना ॥ न ना थ ने वा ल म का वि
यु रु न य वी व र ना म म
४ ॥ सा न द्या ल ये सो म्या ॥ १
य य न म स सा न इ ४ र व धि
द मा हा व र्क सु इ र ना क
क ज ली नि ल ये ना दा न म
क ॥ ना ॥ ना सो उ व न य
नो ज न य मि ना म म म म
न म ४ ॥ न म आ स क ल
मी थ उ व न म व थ क मा

न न या ना दि मि वा न क व
म क वा ॥ १ ॥ नु या वि रु ४
॥ वा ल मी का व र सु य रा व
स क ल स धु र ना वा वि
सा सा य स र्व रु रा व र
य र न वा न ना म स क ४
य रु व ४ ॥ ॥ ना म
मा ल म का नि र्ग ज ल ना
जा म हा व ल ४ ॥ नि म न ॥
य वि रु ना ना म जा य
न न म ४ ॥ ॥ न र्व क
द क म द रु टि का य दा
र का न कि वी ट म क र
क न ना र म न ॥ ना ना
व ली रु म रु व ना व म म
मि ना ना धि य व न ना ना
म ह न मा मि ॥ व रु क व
मि रु रु म न न ना ना रु वि

नं । रुपाय वमहाना न
नमामि जलयायिनं ॥ वा
सकी सोमो वृथय (धन
वधु सुभासने रुपाय
यावि विरुण मोमिना (न
न्यवृथिलं ॥ वधु ४ रुपा
किं न नागं मलिव धु सु (न
नितं । गद काना मना न
वे नमामि नाग वृथिलं
अट सीधु य स का ५ शु
तल काले किं न ४ सिट
ला किं गद ला ५ वृथं क
कटिकं नमः ॥ कं पू न
हान रुपा ५ व क य य
म व धु कं । वधु ४ रुपा
किं न दहं य य नागं नम
म्यहं ॥ य धु ली कानि रा

कारं सचालिका लल
हर्ग । वधु ४ रुपा किं न
कारं महाय दानमाम्य
हं ॥ निविद्या लमहाना
नं ग्राम वधु वधु ४ रु
पां । नमामि सय वृथं
वमहान वल य वा कर्म
॥ कुलिक नाम नागं वि
हक वधु विविग कं ।
रुपाय वमहान कार्यं ।
सय वृथं नमाम्यहं ॥
पुनित को वद वा ॥
वमा वा वधु ४ ॥ व वा ५
वधु निविग जल य न
(न व द्रुपा गा दि वृ न
जा आन वला कना धरि
वग ५ य निविगं वृथ ना
। न स्य भु विना य दाय

कृष्णः श्वेतः सुगन्धवा विधा
गोष्ठाः देवः (नीलाद्वयः)
यवः ॥ वीर्याः कृष्णान् गन्धा
नादि जल (धर्मपुष्प) वि
काः । पृष्ठवि (मोदयान
नुदयोदित्वादि सर्वक ॥
(न) वाष्पणादि सर्वस्मि
न धर्मस्थाभा न विद्यते ।
ये धायथा च यानीय वि
वन्तीया विना रुपा गथा
गथा कथं सुत्रा धर्मा
रुद्धं निरुद्धं नि ॥ अरुण
न्यादि ॥ सुवर्णम् ॥ जलदान
दादिना ॥ क (नालनन

वि (नामजलदानया ॥
उमासारिल विना कि ३३
स्वल्पं धर्मजलधर्म
कृष्णं धर्मजलको वा

विषदुदमुनायमा
निवर्णाकि सुदुयात्मा
त्वमन्ना विममृक्तम् ॥
ॐ रुजन्मकी किं रुल
यनय च निर्विक्रम ॥
जल (धर्मगथा) था ये न
सपशुवर्गदिव ॥ जि
भदित्वा यथा काय धर्म
वा य निवायय ॥ धर्मद
हो जलमयी विष्णुसा
लाकमधुग ॥ रुलधु
नया ॥ ॐ वीनी
ययि नलाकय याय न
यवर्ममरुग । योनायस्य
पदाभन हे कि पूर्वव उ
साधुगी ॥ ३३ विद्याध ॥
॥ ॐ पृष्ठविशुद्धि
य ३ कर्मा मोदगदिवि

गकव०। कृत्स्नं श्रेयसकृत्
शुद्धिं जावर्त्तकीं किं न न श्रे
नि ॥ यूयू विद्यादानवा
युं ॥ ॥ द्रुयाया उ
लि स वि (ग) य २ थ ग ॥

आ वा य न ॥ स रि शा दू नि
वा ला य ग य म ना वा
युं द ग य आ टि द ग व लि
॥ द व द वी थ न ल अ न
ग य नि नि व वि स्र ना के
न क ट ह द व न ह्ये ४ आ
दू नि द त्वा ॥ ॥ ॥

क्रिक १०८ ॥ उं ओ ४ ग नि
न क रि ४ ग नि सु धि यी म
॥ नि वा य ४ ग नि म
य ग य ४ ग नि ध न न
न य ४ ग नि वि (धे) द वा

४ ग नि वि (धे) द वा ४ ग नि
४ ग नि ग नि वि (धे) द वा ४ ग नि
४ ग नि ग नि वि (धे) द वा ४ ग नि
॥ वृ शि का दू नि १०८ ॥
उं शु च कं यं ग म हं स
ग नि म य वि द व नं ॥ उ
व नि क मे द व श न न म
य म दू य म मृ ना न ॥ शु
म क यं ग म हं स ग नि म
नि व य न म ॥ उ व नि क मि
य व य न ॥ दि ग म दू य
म म ग ४ ग नि ॥ ॥ ॥
वा द ग यं ग ॥ ग ग वि दि
ह म ॥ य व य न ग थ म
न क ना व म य म व च ॥
दू वृ क का व म य म
सि द्धा थ म वि स वि न

॥ यथैवाद्यत्राजासामिह
 वायस उतादन दाध्या
 दनजासाव ददलीहल
 उदुयादि हयज विहल
 विकट नृपकाल यद्यक
 ससुख (श्रमगिल नक
 तिल नगपुष्य विजय
 उजुल वन्दन उल वृक्ष
 श्रीरक्ष जेउग्रमकटिका
 कम्बल कद मूल हल
 मामूल यकाव ०० द वा
 धुनि दुर्वाहगपुष्य इयः
 मिथानहामय ॥

यथैवाद्यत्रागथालाका मि
 लसर्वयभवय नगानिय
 यथासा निद्रनकाकिक
 प्रादिक ॥ ॥ गभावलि

यद्यर्न ॥ उं गलाजीवागल
 यनि १ रुवामह विद्यो न
 वा विद्ययनि १ रुवामह
 निधीनानि विद्ययनि १ रु
 वामह वसामम आरुव
 जानि गवर्नमात्रमजासि
 गवर्न ॥ उं अम्य अम्विक
 अम्वारिक नमानयानिक
 थन ४ रु सयथक ४ रु
 रुडिका काम्यात्रतामिनी
 ॥ उं रुग रुगयावान ४
 विवगवसावसायावा
 न ४ विवगाकविकस्यह
 विवसिखाडा ॥ दि १ ४ य
 दि १ सादि १ ४ विदि १
 उदि १ ४ दि १ ४ खाडा ॥
 उं आना नियुहि ४ सगिनी
 विवधन १ मेह अत्रानि

[illegible]

निमन्यगरेष्टाविहसाम
 नयन्ववयकः॥ॐ नमो
 वल्लभायष्टाधिननायि
 नयनमानमातवस्यहम्
 जगताम्यनयनमानमान
 दायागमाधिनन्दशला
 म्यतयनमानमः॥ नमो
 रुन्धेर्चनानाम्यनयनमान
 नमो॥ॐ नमो नमो नमो
 रुन्धालिथनूदायाधिव
 मा॥ नमो॥ॐ नमो नमो
 जनयधनानिगनमसि
 ॥ॐ नमो नमो नमो नमो
 पथमादेषा॥ नमो नमो
 हा॥ नमो नमो नमो नमो
 धवायीयवासव॥ॐ नमो
 श्रीदि॥ नमो नमो नमो नमो
 नमो नमो नमो नमो

(ग) स्वाहा वा धु स्वाहा प
 नी धीदि (ग) स्वाहा वा धु
 दि (ग) स्वाहा उ दी ची दि
 (ग) स्वाहा वा धु दि (ग) स्वा
 हा उ दी ची दि (ग) स्वाहा
 वा धु दि (ग) स्वाहा उ वा धु
 दि (ग) स्वाहा वा धु दि (ग)
 स्वाहा ॥ ॥ १० ॥ स्वाहा दि द
 न लोक या ल सर्व द व न
 नु य धा दि ग द र्नि ॥
 उ अ न्न य न न्न य नो ध
 अ न मी म न मी व र य धु धि
 १४। य य न ग ग व न का वि य
 उ ऊ न्ना ध हि दि य द व
 पु य द ॥ ॥ पू ज न द
 वा दि न् ॥ अ था य था ध
 ध न वा धू णा दि अ न्न

संकल्प ॥ ॥ महा स्वाहा
 शादि क या स यी शि व
 नि का दि म ॥
 उ अ न्न व वा र य य डी म
 न अ न्न ३ य य डी साम य
 ल य य डी व द ४ (य) य य
 य डी। वा (ग) ज ४ स डी आ
 मा वि या णा या (गो) स्वाहा ॥
 १ ॥ अ न्न भि द्ध व द य
 द द य ल य म न सा वा नि
 न व द य नि भ म न द धा उ ।
 ग न्ना रु व उ उ व न स य य
 य नि ॥ २ ॥ उ न्न स
 वि द न्ना य यी स र्व य (१०)
 ॥ ३ ॥ क या न शि य
 ५ अ न्न व द्द गी स द्वा र द ध
 ४ स र वा क या स वि द

जो धारि कामथो दुदस्तन
उरुद धागनाम हम्पणाय
वदस्त ॥ १४ ॥ आठ ४ नि
वगमा वस्तुस्तु राजयम
हनु । उगमी विवमा मज ४ ॥
१५ ॥ गस्मा जग्वं गमाम
दाय स्यादया जजि न्वथ ॥
साथ जग्वं यथा यन ४ ॥ १६
॥ ओ ४ गानि वक्तु निरु ४ ग
नि ४ वृषि यी गानि वाय ४
गानि वाय धय ४ गानि व
न स्य गय ४ गानि वि ४ य ४
दा ४ गानि वृषि गानि ४ सव
४ गानि गानि वद गानि ४
सामा गानि वधी ॥ १७ ॥
दश ४ ४ हमा मि ४ यमा वद
या सवलि नृगानि समी नृ
का ॥ मि ४ यमा वद ४ यमा स

वालि नृगानि समी नृ ॥ मि ४
यमा वद ४ यमा सव ॥
१८ ॥ दश ४ ४ हमा आ ४
सं ४ नि ४ यमा सव ४ यमा स
दश ४ यमा स ॥ १९ ॥
नमस्तु वस ४ यमा सव ४
मम ४ यमा सव ४ यमा सव
यमा सव ४ यमा सव ४ यमा सव
का ४ यमा सव ४ यमा सव ॥
२० ॥ नमस्तु वस ४ यमा सव
नमस्तु वस ४ यमा सव ४ यमा सव
नमस्तु वस ४ यमा सव ४ यमा सव
ह ॥ २१ ॥ यमा सव ४ यमा सव
मा सव ४ यमा सव ४ यमा सव
नृ ४ ॥ यमा सव ४ यमा सव ४ यमा सव
यमा सव ४ यमा सव ४ यमा सव ॥ २२
यमा सव ४ यमा सव ४ यमा सव
यमा सव ४ यमा सव ४ यमा सव
यमा सव ४ यमा सव ४ यमा सव
यमा सव ४ यमा सव ४ यमा सव

सुखविशेषादयथासाम
वृद्धाः स्वर्गलयाः ॥ ॐ उद
मम सुवृणयाः समस्तद
वाधमविमकुः प्रथम
अथादिग्यययसखन
गवानागसा अदिगय
साम स्वाहा ॥ ॐ दंतवृ
यादिग्याधियनय ॥
ॐ गिय अवावृ ॥ ॥

वृद्धादि ॥ ॐ आदिना
अनेन सखाहा ॥ ॐ यादि
नाविधयुद सखाहा ॥ ॐ
यह्यादि विवायद सखा
हा ॥ ॐ सर्वयादि गगक
तोखाहा ॥ ॐ नूनयु ॥ ॐ
हा ॥ ॐ नूनानि विवृ
हा मिखाहा ॥ ॐ अनि विव
हा मिखाहा ॥ ॐ अनान

नयदाज्ञाननसर्व कियुग
मम । सर्वगद । श्रीक लो नि
विदिननि यथादिनः स्वा
हा ॥ ^{वनगुण} ^{यलो मान} ॥ ॐ वेथाननय
विद्यह अननादिनाय
धामसि । ननावा क्रिया
दया स्वाहा ॥ ॥ ॐ द
वृद्धनयेन सावयजन
मसिखाहा ॥ ॐ म नूय
वृद्धनयेन सावयजनम
सिखाहा ॥ ॐ विठ वृद्ध
नयेन सावयजनमसिखा
हा ॥ ॐ आत्मवृद्धनयेन
सावयजनमसिखाहा
॥ ॐ अननयेन सावयज
नमसिखाहा ॥ ॐ यत्राद
मना विद्वांथका नूयवा
ह विद्वांथका नूयवा

स्यानिदं धातुश्चाह ॥
 उययः पृथिव्या यय
 उा यधा वृथया दिवा
 रुविद्ययथा धाः यदि
 १४ संकुमदं चाह ॥ उ
 विष्णुः नारमासि विष्णुः
 नरुः सुविष्णुः शुन
 सिविष्णुः दयासि । चक्र
 वमासि विष्णुः वराहः
 हा ॥ उ स्यानिदं दगाद्या
 नादवगासुथा दिवगा
 वरुमादवगासुथा
 दवगावृद्धादवगादि
 यादवगासुगादवगा
 विष्णुः दवा दवगादुह
 स्यानिदं वनं दवा दवगा
 वरुणादवगात्वाह ॥

उयः ॥ स्यानि वक्रविष्णुः
 स्यानिः ॥ पृथिव्या स्यानिः
 वायुः ॥ स्यानिः वायुधयः
 स्यानिः ॥ नरुः स्यानिः
 विष्णुः ॥ दवाः ॥ स्यानिः ॥
 स्यानिः ॥ सर्वः ॥ स्यानिः ॥
 निवयः ॥ स्यानिः ॥ सामाः ॥
 निवयः ॥ दवाः ॥ ॥ स्यानिः ॥
 जाहनिः ॥

यवधागादि वृत्तिः केव
 लिदं दगा ॥
 उद्वयः केमः स्यानि
 सुः यः स्यानि ॥ उरुः
 दवः दवगासुथासि म
 नः स्यानि वक्रः ॥
 वलिः हवः ॥ दवाः ॥
 दानः ॥ ॥ स्यानिः

यथास्य यजमानस्य भी
यासां यमनि कानिका
मनः यथा भो वषट्कार
लव यथान उवाच ध्याय
युक्तानि गते मानक
ल्यमा ॥ ॥ उवाच ध्याय
दिना यो द्विना या मृगा
ये मृगा याः स यथेन स
यथा यथा यथा यथा यथा
विश्वसि ॥ वि सामहिः
सामसु विमृष्टः ॥ यूवा
नूवा अतिः ॥ यूवानू वा
आया आरिया आ व
वा द्वा व व व द्वा वा य
इति हि वा इति यथा म
कामान् स मर्षयतु ह

४ वा हा ॥

॥ उवाच यथा जना यथा म
लेय निष्ठा यामसि ॥ उवा
च यथा हि भ्रातृता निदधा
ते यथा ॥ नीम क्रदा हिना
तु वा निददाते यथा ॥
मृत्तिका न निमज्जनय
ओवा दः ॥ निष्ठु वा न म
॥ यथा गय क पूषा ॥
ददय म म दू यम ॥ वि
पूत विद न व द्वा का ॥
यम जा ग व दः ॥ काम य
॥ मां य व दः पूषा ॥ य
॥ अ म दू ग व ॥ यि म
क नो दिना प्री व ॥ य म
व धु न मा सु ग ॥ अ य नि

वहलसोनासा ननसाम
युयथा॥ १०८६ शुभजव
कुं सुवृणामोरोविश्वरु
नकवानिधनंयाकिज
यत्तुवृक्षमजसा॥ कवि
लजटीशुदवदोयानि
पुत्रददवर्गविवृण
अवसाधानिममयुज
अवदसि॥ सार्धवय
ममजीवे४ यियरवानि
यमादय॥ १०८७ विरतां
दिजांशिवयजांशय
मुयालय॥ यावदा
दिम्यरुयानिजावद
जानियदमा४ याव
दान४ प्रयायादिमा

वज्रवत्तुवासह॥ १०८८
नकनयकावपकावी
नामनूजावति॥ यववा
मूयकावाथ० अजीव
निसजीवनि॥ १०८९
नहमनेद॥ १०९०
म४ वृषिपूलवायुधि
वीरुडुजमानमश
कपुण१०९१ यिना४ ॥

आचमनगुन्धवकाव
मुगामूलनेवययुय
पुनयागिल्लाकनिधु
नरुदयात॥ १०९२
उंमखडिनेका१०९३
विद्यादुर्गेनसमादि

शेवमलिः सममरादुः
।समिन्नादिः (१५) द्वादि
वममदिः शुनली गच्छु
यन्वाहा ॥ अन्वाहान
नरु ॥ याविसुनगुक्
आशुलगाः सचकि
याग ॥ ॥ खेम
हावि ॥ दृष्टदानं ॥
आमसाया (१०) ॥ अम
माथः सवुकलगा
विलवेधानमादिदि
(१५) वगाः सुषीदावव
दातववु उव (११) वा
व (१२) सुः शुनली व
॥ दाजाधममलिजायित

वदुः दजागुखिनः सनु
दगुशुदादयोः ॥ अ
सदादिः अजमाना
ननस्यसयाविवाग
मायुवाभाः मस्थयजि
नधनेलदीसकनिम
ननरुदिबु ॥ द्वियद
धुदुधुदुः शुनली व
॥ सधसुखीः शुखिनः
सनु। यजुः ॥ कालव
विलवु ॥ अमकना
रुः ॥ खेममिदि व
वगायटुदि व ॥ य
जमानानिः वलसि
वम ॥ सध विधि
धुः ॥